चैत्र नवरात्रि की हार्दिक शुभकामनाएं

आज की खबर आज ही

जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी

चेतना मंच

वर्ष : 27 | अंक : 101 | website:www.chetnamanch.com | नोएडा, बुधवार, 02 अप्रैल, 2025 | Chetna Manch | Chetna Manch | मूल्य 2.00 रु. | पेज: 8

चैत्र नवरात्र

पंचम स्कंदमाता

आज पांचवें स्वरूप स्कंदमाता माता की आराधना होगी। देवी का यह स्वरूप नारी शक्ति और मातृ शक्ति का सजीव चरित्र है। स्कंदकुमार की माता होने के कारण इनका नाम स्कंदमाता पड़ा। गणेश जी देवी के मानस पुत्र हैं और कार्तिकिय जी गर्भ से उत्पन्न। तारकासुर को वरदान था कि वह शंकर जी के शुक्र से उत्पन पुत्र द्वारा ही मृत्यु को प्राप्त हो सकता है। इसी कारण देवी पार्वती का शंकर जी से मंगल परिणय हुआ। इससे कार्तिकेय पैदा हुए और तारकासुर का वध हुआ। शंकर-पावती के मांगलिक मिलन को सनातन संस्कृति में विवाह परंपरा का प्रारंभ माना गया। कन्यादान, गर्भ धारण इन सभी की उत्पत्ति शिव और पार्वती प्रंसगोपरांत हुई।

वक्फ संशोधन बिल संसद में पेश

"वक्फ संशोधन बिल प्रोपर्टी के मैनेजमेंट का बिल है। किसी धार्मिक प्रबंधन में दखल नहीं। वक्फ बोर्ड में शिया सुन्नी और गैर मुस्लिम एक्सपर्ट होंगे तथा इसमें महिलाओं को भी जगह दी जाएगी। यह बिल किसी की संपत्ति छीनने का बिल नहीं है। इसको लेकर भ्रम फैलाया जा रहा है।"

किरेन रिजिजू (केन्द्रीय मंत्री)

नई दिल्ली (एजेंसी)।

लोकसभा में आज वक्फ संशोधन विधेयक 2025 पेश कर दिया गया। मुस्लिम समाज का एक तबका इसके समर्थन में जबकि दूसरा धड़ा इसके विरोध में है। इस विधेयक को पारित कराने के लिए एनडीए और उसकी सहयोगी पार्टियां एकजुट हैं जबकि INDIA ब्लॉक इसके विरोध में है। आज लोकसभा में दोपहर 12 बजे केन्द्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने वक्फ संशोधन विधेयक 2025 पेश किया। BJP को विधेयक पर चर्चा के लिए 4 घंटे का समय दिया गया है। एनडीए को कुल 4 घंटे 40 मिनट का समय दिया गया है। बिल पर चर्चा के लिए 8 घंटे आवंटित किए गए हैं। बिल पेश करने के दौरान किरेन रिजिजू ने कहा कि वक्फ संसोधन बिल प्रोपर्टी के मैनेजमेंट का बिल है। किसी धार्मिक प्रबंधन में दखल नहीं। वक्फ बोर्ड में शिया सुन्नी और गैर मुस्लिम एक्सपर्ट होंगे तथा इसमें महिलाओं को भी जगह दी जाएगी। यह बिल किसी की संपत्ति छीनने का बिल नहीं है। इसको लेकर भ्रम फैलाया जा रहा है। वहीं ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने बिल के खिलाफ देश व्यापी आंदोलन की चेतावनी दी है। बोर्ड ने आरोप लगाया कि यह बिल मुस्लिमों का हक छीनने का बिल है। बिल मुसलमानों के खिलाफ है।

ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने बिल के खिलाफ दी देश व्यापी आंदोलन की चेतावनी

किरेन रिजिजू ने वक्फ संशोधन बिल लोकसभा में पेश कर दिया है। किरेन रिजिजू ने कहा कि इससे अधिक संख्या में आजतक किसी भी बिल पर लोगों की याचिकाएं नहीं आईं. 284 डेलिगेशन ने अलग-अलग कमेटी के सामने अपनी बात रखी है। 25 राज्यों के वक्फ बोर्ड ने अपना पक्ष रखा. पॉलिसी मेकर्स, विद्वानों ने भी अपनी बात कमेटी के सामने रखी हैं. इस बिल का पॉजिटिव सोच के साथ विरोध करने वाले भी समर्थन करेंगे. यह प्रस्ताव खुले मन से पॉजिटिव नोट के सामने पेश कर रहा हूं. किसी ने असंवैधानिक बताया तो किसी ने नियमविरुद्ध. जब पहली बार ये प्रस्ताव सदन में पेश किया गया था 1913 में, उसके बाद जब दोबारा एक्ट पास किया गया था। 1930 में एक्ट लाया गया था. आजादी के बाद 1954 में वक्फ एक्ट पहली बार आजाद भारत का एक्ट बना और उसी में राज्य के बोर्ड का भी प्रावधान किया गया था. 1995 में व्यापक रूप से एक्ट बना। उस समय किसी ने इसे असंवैधानिक, नियमविरुद्ध नहीं कहा. आज हम जब ये बिल ला रहे तो ये बोलने का विचार कैसे आया। जिसका बिल में कोई लेना-देना नहीं है, उसे लेकर आपने लोगों को गुमराह करने का काम किया. 1995 में ट्रिब्यूनल का इंतजाम किया गया। (शेष पृष्ठ-3 पर)

हमारी पार्टी विरोध करेगी : अखिलेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। आज लोकसभा में वक्फ संशोधन विधेयक पेश होने पर समाजवादी पार्टी के सांसद अखिलेश यादव ने कहा, हमारी पार्टी इसका विरोध करेगी। जिन लोगों के लिए यह विधेयक लाया जा रहा है, उनकी बातों को महत्व न देने से बड़ा अन्याय क्या हो सकता है?

उन्होंने आगे कहा कि बीजेपी एक ऐसी पार्टी है जिसे जमीन से बहुत प्यार है...उन्होंने रेलवे की जमीन बेची, रक्षा की जमीन बेची और अब वक्फ की जमीन बेची जाएगी। ये सब उनकी नाकामियों को छुपाने की साजिश है...हमारे मुख्यमंत्री कहते हैं कि राजनीति उनका पार्ट टाइम जॉब है, तो जनता ऐसे पार्ट टाइम जॉब वालों को क्यों नहीं हटाती?

उत्तर प्रदेश में अलर्ट पुलिस की छुट्टियां रद्द

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के डीजीपी प्रशांत कुमार ने प्रदेश के सभी जिलों के पुलिस अफसरों को निर्देश दिए हैं कि वक्फ संशोधन बिल के मद्देनजर अलर्ट रहें। अराजकतत्वों पर कड़ी नजर रखें तथा लोकल इंटेलिजेंस यूनिट को सतर्कता बरतने के लिए कहें।

डीजीपी ने पुलिस को सोशल मीडिया पर निगरानी रखने के जिलों में संवेदनशील इलाकों में फोर्स तैनात करने के लिए भी कहा है। वहीं आज पुराने लखनऊ में भारी पुलिस फोर्स ने फ्लैग मार्च किया। आज लोकसभा में वक्फ संसोधन बिल पेश किया गया है। इसके चलते पूरे उत्तर प्रदेश में खास अलर्ट है।

उत्तर प्रदेश में सभी पुलिस अफसरों और कर्मचारियों की छुट्टियां रद्द कर दी गई हैं। आईजी लॉ एंड ऑर्डर ने सभी पुलिस अफसरों और कर्मचारियों की छुट्टियां रद्द करने का आदेश जारी किया है। कानून व्यवस्था की स्थिति के मद्देनजर छुट्टियां रद्द की गई हैं। आदेश में कहा गया है कि छुट्टी पर गए अफसरों और कर्मचारियों को फौरन ड्यूटी पर वापस आने के निर्देश दिए गए हैं। केवल विशेष परिस्थितियों में ही छुट्टियां स्वीकृत की जाएंगी।

सेक्टर 18 में कृष्णा अपरा बिल्डिंग अग्निकांड

व्यापारिक संगठनों ने की फायर बिग्रेड टीम को सम्मानित करने की मांग

नोएडा (चेतना मंच)। मंगलवार को सेक्टर-18 के कृष्णा अपरा प्लाजा की बिल्डिंग में लगी भयंकर आग में अग्निशमन विभाग के प्रयासों के कारण 170 लोगों की जान बचा ली गई। हालांकि इस दौरान खिड़की के शीशे तोड़ने तथा धुएं की चपेट में आने से अग्निशमन अधिकारी समेत आधा दर्जन अग्निशमन कर्मचारी घायल हो गए थे जिन्हें अस्पताल में इलाज के बाद छुट्टी दे दी गई। (शेष पृष्ठ-3 पर)

मजूदरी के पैसे मांगने पर महिला को पीटा

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना ईकोटेक 3 में एक महिला ने मारपीट करने के आरोप में दो महिलाओं के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है पीड़िता का आरोप है कि उसने जब अपनी मजदूरी के पैसे मांगे तो आरोपी महिलाओं ने उसके साथ मारपीट कर उसे घायल कर दिया। ईकोटेक तीन क्षेत्र के सेक्टर 10 के जनता फ्लैट में रहने वाली रजनी ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि वह सोसाइटी में रहने वाली श्रीमती चेतना आनंद के यहां काम करती थी 31 मार्च के शाम को वह चेतना आनंद की सोसाइटी में अपने एक माह की तनख्वाह लेने के लिए गई थी। चेतना आनंद उसे सोसायटी के गेट पर ही मिल गई। (शेष पृष्ठ-3 पर)

युवती को अज्ञात वाहन ने रौंदा, हालत गंभीर

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा वेस्ट की एक सोसायटी में खाना बनाकर घर वापस लौट रही युवती को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। टक्कर लगने से युवती गंभीर रूप से घायल हो गई। घटना के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया। मूल रूप से मध्य प्रदेश के रहने वाले अरविंद कुमार ने दर्ज रिपोर्ट में बताया कि वह अपने परिजनों के साथ हाल में सेक्टर-3 के सी ब्लॉक में रह रहा है। उसकी 35 वर्षीय बहन विनीता स्टेलर जीवन सोसायटी के एक घर में खाना बनाने का काम करती है। 23 मार्च को वह खाना बनाकर पैदल अपने घर आ रही थी सड़क पार करते समय किसी अज्ञात वाहन ने उसे टक्कर मार दी। इस हादसे में विनीता को सर में गंभीर चोट आई और वह बेहोश होकर सड़क पर गिर गई घटनास्थल पर मौजूद ऑटो चालक व अन्य लोगों ने उसे उपचार के लिए अस्पताल (शेष पृष्ठ-3 पर)

बरौला में रात के अंधेरे में अवैध निर्माण, एफआईआर दर्ज

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा प्राधिकरण की अर्जित व कब्जा प्राप्त भूमि पर अवैध एवं अनधिकृत निर्माण करने के आरोप में दो लोगों के खिलाफ थाना सेक्टर 49 में मुकदमा दर्ज कराया गया है। नोएडा प्राधिकरण के अवर अभियंता की शिकायत पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ सार्वजनिक संपत्ति नुकसान निवारण अधिनियम सहित अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है।

नोएडा प्राधिकरण के वर्क सर्कल तीन के अवर अभियंता प्रदीप कुमार ने राधे चौहान पुत्र जगदीश चौहान व देवेंद्र चौहान के खिलाफ नोएडा प्राधिकरण की अनुमति प्राप्त किए बिना वैध एवं अनाधिकृत के रूप से निर्माण कार्य किए जाने के आरोप में मुकदमा दर्ज कराया है।

अवर अभियंता के मुताबिक दोनों आरोपी बरौला गांव में नोएडा प्राधिकरण द्वारा अर्जित व कब्जा प्राप्त भूमि पर अवैध रूप से निर्माण कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश औद्योगिक विकास अधिनियम 1976 की धारा 10 के तहत नोएडा प्राधिकरण के (शेष पृष्ठ-3 पर)

अखिलेश यादव व सांसद डा. महेश शर्मा भी घिबली के मुरीद

नोएडा (चेतना मंच)। सोशल मीडिया पर इन दिनों नया ऐप घिबली काफी ट्रेंड कर रहा है। आम लोगों के साथ ही अब सेलेबिर्टी और राजनेता भी अपने सोशल मीडिया एकाउंट पर घिबली का इस्तेमाल कर रहे हैं।

घिबली ट्रेंड ने पिछले कुछ दिनों से सोशल मीडिया पर धमाल मचा रखा है। नोएडा के लोगों तक इसका असर खूब देखने को मिल रहा है। यही नहीं, सांसद-विधायक, पुलिस महकमे के लोग तक इसके मुरीद होते नजर आ रहे हैं। उन्होंने एआई इमेज के माध्यम से अपनी तस्वीरें भी सोशल मीडिया पर पोस्ट की हैं। इस पर लोगों की प्रतिक्रियाएं भी आ रही हैं। (शेष पृष्ठ-3 पर)

पुश्तैनी हवेली के केयरटेकर ने की चोरी

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्राम रोनिजा में पुश्तैनी हवेली की देखभाल के लिए रखे गए दो लोगों ने हवेली को क्षतिग्रस्त कर चोरी की घटना को अंजाम दिया। हवेली के मालिक ने दोनों आरोपियों के खिलाफ थाना रबूपुरा में मुकदमा दर्ज कराया है। ग्राम रोनिजा निवासी डी के गर्ग ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि गांव में उनकी पुश्तैनी हवेली बनी हुई है इस हवेली में एक मेहमानखाना, रिहाइशखाना, धर्मशाला,घुड़साल आदि बनी हुई हैं। उन्होंने अपनी पुश्तैनी हवेली की साफ-सफाई के लिए भरतपाल पुत्र गिरधारी और राहुल पुत्र आनंद को जिम्मेदारी दी हुई थी। (शेष पृष्ठ-3 पर)

संपत्ति के झगड़े में पिता ने बेटी को दी धमकी

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना बीटा दो में एक महिला ने अपने पिता के खिलाफ मोबाइल फोन पर जान से मारने की धमकी देने के आरोप में मुकदमा दर्ज कराया है पीड़िता का अपने पिता से संपत्ति को लेकर बिहार के छपरा जिले के न्यायालय में मुकदमा चल रहा है।

ग्रेटर नोएडा की एक सोसाइटी में रहने वाली सोनाली गुप्ता (काल्पनिक नाम) इन्हें दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि उसका अपने पिता से संपत्ति के बंटवारे को लेकर पिछले काफी समय से विवाद चल रहा है। इस मामले में उसने बिहार के छपरा जिले के न्यायालय में वाद दर्ज कराया हुआ है।

सोनाली गुप्ता के मुताबिक आदर्श विहार सोसायटी में रहने वाले उसके पिता राजेंद्र प्रसाद ने 28 मार्च की शाम को उसके मोबाइल फोन पर कॉल कर उसे मुकदमा वापस लेने को कहा। उसने जब मुकदमा वापस लेने से इनकार कर दिया तो उसके पिता ने उसके पति राकेश कुमार गुप्ता वह उसके परिवार को जान से मारने तथा हाथ (शेष पृष्ठ-3 पर)

जीआईपी मॉल में जेब से निकाला मोबाइल

नोएडा (चेतना मंच)। द ग्रेट इंडिया पैलेस (जीआईपी मॉल) में खरीदारी करने गए एक व्यक्ति की जेब से चोरों ने मोबाइल फोन चोरी कर लिया। पीड़ित ने आज्ञत के खिलाफ थाना सेक्टर-20 में मुकदमा दर्ज कराया है। सेक्टर 55 निवासी करण गुप्ता ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि वह 29 मार्च को द ग्रेट इंडिया पैलेस जीआईपी मॉल में गया था रात्रि करीब 9:30 बजे किसी व्यक्ति ने उसकी जेब से मोबाइल फोन निकाल लिया। मोबाइल चोरी होने की जानकारी मिलने पर उसने अन्य नंबर से कॉल की तो अज्ञात व्यक्ति ने उसकी कॉल को बार-बार काट दिया। इसके कुछ देर बाद उसके फोन को स्विच ऑफ कर दिया गया। करण गुप्ता के मुताबिक उसने अपने फोन की काफी तलाश की लेकिन कोई पता नहीं चला पीड़ित शिकायत पर पुलिस नहीं मामला दर्ज कर लिया है पुलिस इस मामले में सर्विलांस सेल की भी मदद ले रही है।

कार का शीशा तोड़कर लैपटॉप चोरी

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-129 स्टेट गुलशन वन मॉल के बाहर खड़ी कार का शीशा तोड़कर चोरों ने लैपटॉप चोरी कर लिया। पीड़ित ने अज्ञात चोरों के खिलाफ थाना एक्सप्रेसवे में मुकदमा दर्ज कराया है। मूलरूप से सहारनपुर के रहने वाले नवनीत बजाज ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि 18 मार्च को है अपनी कार से सेक्टर 129 स्थित गुलशन वन मॉल गया था उसने मॉल के सामने अपनी कार (शेष पृष्ठ-3 पर)

कोरियर ऑफिस का ताड़ा तोड़कर चोरी

नोएडा (चेतना मंच)। कोरियर और कार्गो ऑफिस का ताला तोड़कर चोरों ने पार्सल व अन्य सामान चोरी कर लिया। चोरी की पूरी घटना ऑफिस में लगे सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हो गई। ऑफिस संचालक ने थाना फेस वन में अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। रामनाथ अवस्थी ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि उनका सेक्टर 3 नोएडा में मैसेज प्रोफेशनल कोरियर्स लिमिटेड के नाम से ऑफिस है। यहां से कोरियर और कार्गो का काम संचालित होता है। 24 मार्च की सुबह जब ऑफिस का स्टाफ पहुंचा तो उन्हें गेट पर लगा ताला टूटा हुआ मिला। ऑफिस के अंदर जाने पर अन्य तले भी टूटे हुए थे चोर ऑफिस में रख पार्सल और महत्वपूर्ण दस्तावेजों को चोरी कर ले गए थे। उन्होंने जब ऑफिस में लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज चेक की तो पता चला कि करीब 3:50 पर कुछ लोगों ने दरवाजे को तोड़कर चोरी की वारदात को अंजाम दिया है। उन्होंने इसकी सूचना तुरंत पुलिस को दी पुलिस ने जांच पड़ताल के बाद अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

अमिताभ कांत की सिफारिश के तहत

13 बिल्डर्स को मिला जीरो पीरियड का लाभ

नोएडा (चेतना मंच)। अमिताभ कांत आयोग की सिफारिश के बाद 13 बिल्डर्स को जीरो पीरियड का लाभ मिला है। नोएडा प्राधिकरण की बोर्ड बैठक में लाये गये इस प्रस्ताव पर बोर्ड ने मोहरलगा दी है। दरअसल 15 बिल्डर्स को जीरो पीरियड का लाभ मिला था। इसमें 2 बिल्डर्स पर कोई बकाया नहीं था इसलिए 13 को अब इसका लाभ मिल गया है।

दरअसल साल 2013 में एनजीटी के आदेश पर सेक्टर-95 स्थित ओखला पक्षी विहार के दस किलोमीटर दायरे में निर्माण कार्य बंद रखे गए थे। निर्माण कार्य बंद रखने पर नोएडा प्राधिकरण ने उस दौरान संबंधित परियोजनाओं को 77 दिन के जीरो पीरियड का लाभ दे दिया था। लेकिन बिल्डर दो साल का समय मांग रहे थे।अब यह जीरो पीरियड का फायदा 14 अगस्त 2013 से 19 अगस्त 2015 तक का देना शुरू किया गया है। बिल्डरों के जरिए आए आवेदनों का परीक्षण किया गया। इस लाभ में उन बिल्डरों को शामिल किया गया जिन्होंने अमिताभ कांत की सिफारिश के तहत कुल बकाया का 25 प्रतिशत रकम प्राधिकरण में जमा कर दी।

नोएडा प्राधिकरण की 57 बिल्डर परियोजना ऐसी है जिन पर अमिताभ कांत की सिफारिश लागू है। इसमें एनसीएलटी में शामिल बिल्डर और आम्रपाली और यूनिटेक को शामिल नहीं किया गया है। शासनादेश के बाद इस सिफारिश को लागू किया गया। इसमें 27 ऐसे बिल्डर परियोजना है जिन्होंने कुल बकाया का 25 प्रतिशत करीब 502 करोड रुपए जमा कर दिए।

जबकि 14 ऐसे बिल्डर परियोजना है जिन्होंने 25 प्रतिशत का आंशिक रकत करीब 31.91 करो? रुपए जमा किए। ऐसे में प्राधिकरण के पास कुल 533.91 करो? रुपए जमा हुए। इसके सापेक्ष 23 मार्च 2025 तक कुल 2726 रजिस्ट्री हो सकी है। यदि सभी बिल्डर परियोजना 25 प्रतिशत बकाया जमा कर दे तो कुल 3621 बायर्स की रजिस्ट्री हो सकेंगी।

संघ के सौ साल

भले ही प्रसंग राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के सौ साल पूरा होने का हो, लेकिन प्रधानमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी की संघ के मुख्यालय की पहली यात्रा के गहरे निहितार्थ भी हैं। जो इस बात का संकेत है कि पिछले आम चुनाव के दौरान संघ व भाजपा के रिश्तों में जिस खटास की बात कही जा रही थी, वह संवाद व संपर्क से दूर कर ली गई है। जो इस बात का भी संकेत है कि आने वाले वक्त में पार्टी व सरकार के अहम फैसलों में संघ की भूमिका बढ़ सकती है। यूं तो प्रधानमंत्री ने बीते रविवार को नागपुर यात्रा के दौरान विभिन्न कार्यक्रमों में भागीदारी की, लेकिन उनका प्रधानमंत्री के रूप में संघ मुख्यालय पहुंचना खास चर्चा में रहा। उल्लेखनीय है कि चौथाई सदी पहले संघ मुख्यालय पहुंचने वाले अटल बिहारी वाजपेयी पहले प्रधानमंत्री थे। इसमें कोई दो राय नहीं है कि मोदी भी संघ की पृष्ठभूमि से आते हैं। साथ ही वे संघ की रीति-नीतियों से भली-भांति परिचित हैं। लेकिन पिछले आम चुनाव के दौरान भाजपा के कुछ वरिष्ठ नेताओं के ऐसे बयान चर्चाओं में थे कि पार्टी का कद संघ से बड़ा हो गया है। जिसके चलते संघ व भाजपा के रिश्तों में कुछ कसक देखी गई। जिसकी कुछ इस तरह व्याख्या की गई कि पार्टी जिस तरह चार सौ पार के लक्ष्य से चूकी, उसके मूल में संघ कार्यकर्ताओं की उदासीनता रही है। बाद में दोनों के रिश्ते सामान्य होने के बाद हरियाणा, महाराष्ट्र व छत्तीसगढ़ के विधानसभा चुनाव में भाजपा को जो आशातीत सफलता हाथ लगी, कहा जा रहा था कि उसमें संघ कार्यकर्ताओं का समर्पण व योगदान महत्वपूर्ण घटक रहा। अब संघ मुख्यालय में प्रधानमंत्री की यात्रा से यह तथ्य भी उजागर हुआ कि दोनों की रीतियों-नीतियों फिर से बेहतर तालमेल स्थापित हुआ है। अब राजनीतिक पंडित कयास लगा रहे हैं कि आने वाले दिनों में केंद्र सरकार के फैसलों में संघ के दृष्टिकोण का प्रभाव नजर आएगा। वहीं दूसरी ओर कहा तो यहां तक भी जा रहा है कि आने वाले दिनों में भाजपा अध्यक्ष के चुनाव में संघ की भूमिका हो सकती है। ऐसा ही असर बदलते वक्त के साथ पार्टी के अन्य फैसलों पर भी नजर आ सकता है। यानी दोनों अब सामंजस्य व सहजता के साथ आगे बढ़ेंगे। अर्थात पार्टी अब अपने वैचारिक स्रोत के साथ बेहतर तालमेल करके चलना चाहेगी। यही वजह है कि प्रधानमंत्री ने संघ मुख्यालय में कहा कि संघ का विचार बीज अब वट वृक्ष का रूप ले चुका है। उन्होंने संघ कार्यकर्ताओं के योगदान की चर्चा करते हुए संघ को भारतीय संस्कृति का विशाल वट वृक्ष बताया। बहरहाल, भाजपा संघ से कुछ मुद्दों पर असहमति से आगे निकल चुकी है। उल्लेखनीय है कि आम चुनाव परिणाम के बाद संघ प्रमुख ने नसीहत दी थी कि लोगों की सेवा करने वाले एक सच्चे सेवक में अहंकार नहीं होना चाहिए। उनकी यह टिप्पणी कतिपय उन नेताओं की तरफ इशारा भी था जिन्होंने कहा था कि पार्टी बड़ी हो गई है और उसे संघ की पहले की तरह जरूरत नहीं है। इसके बाद संघ ने अपने महत्व का अहसास पार्टी को कराया। जिसका राजनीतिक लाभ भाजपा को कुछ राज्यों के विधानसभा चुनावों में मिला भी। बहरहाल, प्रधानमंत्री मोदी द्वारा नागपुर यात्रा के दौरान की गई टिप्पणियों का निष्कर्ष यह भी है कि संघ परिवार की अब सरकार व पार्टी में भूमिका बढ़ सकती है। राजनीतिक पंडितों को तब आश्चर्य नहीं होगा यदि पार्टी के नये अध्यक्ष के चयन में संघ की मोहर लगे। यह भी हकीकत है कि लोकसभा चुनाव में अपने बलबूते पूर्ण बहुमत से दूर रहने के कारण पार्टी की सहयोगी दलों पर निर्भरता बढ़ी है। जिसके चलते भाजपा अपनी सुरक्षा को मजबूत करने के लिये संघ पर अधिक निर्भर रहेगी। निर्विवाद रूप से आने वाले समय में पार्टी को पंजाब, केरल और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में कठिन परीक्षा से गुजरना होगा। ऐसे में भगवा पार्टी को अगले दो वर्षों में बड़ी सफलता हासिल करने के लिये संघ पर निर्भर रहना पड़ेगा। जहां संघ अपनी आधार भूमि को विस्तार दे रहा है।

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि हे मुनि ! पुरारि (शिवजी) जिस पर कृपा नहीं करते, वह मेरी भक्ति नहीं पाता। हृदय में ऐसा निश्चय करके जाकर पृथ्वी पर विचरो। अब मेरी माया तुम्हारे निकट नहीं आएगी॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

दो0-बहुबिधि मुनिहि प्रबोधि प्रभु तब भए अंतरधान।
सत्यलोक नारद चले करत राम गुन गान॥

बहुत प्रकार से मुनि को समझा-बुझाकर (ढाँढस देकर) तब प्रभु अंतर्द्धान हो गए और नारदजी श्री रामचन्द्रजी के गुणों का गान करते हुए सत्य लोक (ब्रह्मलोक) को चले॥

हर गन मुनिहि जात पथ देखी। बिगत मोह मन हरष बिसेषी॥
अति सभीत नारद पहिं आए। गहि पद आरत बचन सुहाए॥

शिवजी के गणों ने जब मुनि को मोहरहित और मन में बहुत प्रसन्न होकर मार्ग में जाते हुए देखा तब वे अत्यन्त भयभीत होकर नारदजी के पास आए और उनके चरण पकड़कर दीन वचन बोले- ॥

हर गन हम न बिप्र मुनिराया। बड़ अपराध कीन्ह फल पाया॥
श्राप अनुग्रह करहु कृपाला। बोले नारद दीनदयाला॥

हे मुनिराज! हम ब्राह्मण नहीं हैं, शिवजी के गण हैं। हमने बड़ा अपराध किया, जिसका फल हमने पा लिया। हे कृपालु! अब शाप दूर करने की कृपा कीजिए। दीनों पर दया करने वाले नारदजी ने कहा- ॥

(क्रमश:...)

वृद्धों के लिये उजाला बना सुप्रीम कोर्ट का फैसला

देश ही नहीं, दुनिया में वृद्धों के साथ उपेक्षा, दुर्व्यवहार, प्रताड़ना, हिंसा तो बढ़ती ही जा रही है, लेकिन अब बुजुर्ग माता-पिता से प्रॉपर्टी अपने नाम कराने या फिर उनसे गिफ्ट हासिल करने के बाद उन्हें यूं ही छोड़ देने, वृद्धाश्रम के हवाले कर देने, उनके जीवनयापन में सहयोगी न बनने की बढ़ती सोच आधुनिक समाज का एक विकृत चेहरा है। संयुक्त परिवारों के विघटन और एकल परिवारों के बढ़ते चलन ने वृद्धों के जीवन को नरक बनाया है। बच्चे अपने माता-पिता के साथ बिल्कुल नहीं रहना चाहते। ऐसे बच्चों के लिए सावधान होने का वक्त आ गया है, सुप्रीम कोर्ट ने इसको लेकर एक ऐतिहासिक फैसला दिया है। अपने इस महत्वपूर्ण फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि अगर बच्चे माता-पिता की देखभाल नहीं करते हैं, तो माता-पिता की ओर से बच्चों के नाम पर की गई संपत्ति की गिफ्ट डीड को रद्द किया जा सकता है। यह फैसला माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों के भरण-पोषण और कल्याण अधिनियम के तहत दिया गया है, जिससे वृद्धों की उपेक्षा एवं दुर्व्यवहार के इस गलत प्रवाह को रोकने में सहयोग मिलेगा। क्योंकि सोच के इस गलत प्रवाह ने न केवल वृद्धों का जीवन दुश्वार कर दिया है बल्कि आदमी-आदमी के बीच के भावात्मक फासलों को भी बढ़ा दिया है।

वसुधैव कुटुम्बकम् की बात करने वाला देश एवं उसकी नवपीढ़ी आज एक व्यक्ति, एक परिवार यानी एकल परिवार की तरफ बढ़ रहे हैं, वे अपने निकटतम परिजनों एवं माता-पिता को भी बर्दाश्त नहीं कर पा रहे हैं, उनके साथ नहीं रह पा रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के फैसले को पलटते हुए सराहनीय पहल की है जिसमें कहा गया था कि अगर गिफ्ट डीड में स्पष्ट रूप से शर्तें नहीं हैं, तो माता-पिता की सेवा न करने के आधार पर गिफ्ट डीड को रद्द नहीं किया जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हाईकोर्ट ने कानून का 'सख्त दृष्टिकोण' अपनाया, जबकि कानून के वास्तविक उद्देश्य को पूरा करने के लिए उदार दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता थी। यह फैसला एक महिला की उस याचिका पर आया जिसमें उसने अपने बेटे के पक्ष में की गई गिफ्ट डीड को रद्द करने की मांग की थी क्योंकि बेटे ने उसकी देखभाल करने से इनकार कर दिया था। परिवारों में संपत्ति के विवाद तो पता नहीं कब से चले आ रहे हैं, लेकिन आधुनिक समाज में ये विशेष रूप से बढ़ गए हैं। सुप्रीम कोर्ट के फैसले से समाज में बुजुर्ग लोगों की उपेक्षा, दुर्व्यवहार एवं उनके प्रति बरती जा रही उदासीनता की त्रासदी से उन्हें मुक्ति देकर उन्हें सुरक्षा कवच मानने की सोच को विकसित करने की भूमिका बनेगी ताकि वृद्धों के स्वास्थ्य, निष्कंटक एवं कुंठारहित जीवन को प्रबंधित किया जा सकता है। वृद्धों को बंधन नहीं, आत्म-गौरव के रूप में स्वीकार करने की अपेक्षा है।

संवेदनशून्य समाज में इन दिनों कई ऐसी घटनाएं प्रकाश में आई हैं, जब संपत्ति मोह में वृद्धों की हत्या कर दी गई। ऐसे में स्वार्थ का यह नंगा खेल स्वयं अपनों से होता देखकर वृद्धजनों को किन मानसिक आघातों से गुजरना पड़ता होगा, इसका अंदाजा सहज ही लगाया जा सकता। वृद्धावस्था मानसिक व्यथा के साथ सिर्फ सहानुभूति की आशा जोहती रह जाती है। वृद्धों को लेकर जो गंभीर समस्याएं आज पैदा हुई हैं, वह अचानक ही नहीं हुई, बल्कि उपभोक्तावादी संस्कृति तथा महानगरीय अधुनातन बोध के तहत बदलते सामाजिक मूल्यों, नई पीढ़ी की सोच में परिवर्तन आने, महंगाई के बढ़ने और व्यक्ति के अपने बच्चों और पत्नी तक सीमित हो जाने की प्रवृत्ति के कारण बड़े-बूढ़ों के लिए अनेक समस्याएं आ खड़ी हुई हैं। वरिष्ठ नागरिकों के हितों की रक्षा की आवश्यकता पर जोर देते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि ऐसे कई वरिष्ठ नागरिक हैं जिन्हें उनके बच्चे अनदेखा कर देते हैं और संपत्ति हस्तांतरित करने के बाद उन्हें अपने हाल पर छोड़ देते हैं। जस्टिस सीटी रविकुमार और संजय करोल की पीठ ने कहा कि यह अधिनियम एक लाभकारी कानून है जिसका उद्देश्य उन बुजुर्गों की मदद करना है जिन्हें संयुक्त परिवार प्रणाली के कमजोर होने के कारण अकेला छोड़ दिया जाता है। उन्होंने कहा कि वरिष्ठ नागरिकों के अधिकारों की रक्षा के लिए इसके प्रावधानों की व्याख्या उदारतापूर्वक की जानी चाहिए, न कि संकीर्ण अर्थों में।

पहले परिवार से किसी भी मनुष्य की पहचान जुड़ी होती थी, इसलिए लोग परिवार से जुड़े रहते थे। अब उसकी पहचान उसकी कार या कपड़ों के ब्रांड आदि भौतिकतावादी चीजों से होती है। यह भौतिकवाद की मृगतृष्णा इंसान की सामाजिक, सांस्कृतिक, आध्यात्मिक पहचान पर हावी हो गई है, बल्कि अब तो संस्कृति और आध्यात्मिकता भी उपभोक्ता वस्तु की तरह बाजार में हैं। एक बड़ी समस्या भारत जैसे देशों में है, जो इस दौड़ में शामिल हो गए हैं, पर इतने समृद्ध नहीं हुए हैं कि इस जीवनशैली को आसानी से अपना सकें। भारत में परिवार के सदस्यों में परस्पर दूरियां लगातार बढ़ रही हैं। भूमि संबंधी विवाद भाई-भाई के बीच होते-होते अब पिता-पुत्र के बीच भी होने लगे हैं और मामला हत्या तक पहुंच जाता है। ताजा मामला भी संपत्ति विवाद का ही है। आज के बेटों को पुश्तैनी संपत्ति का लाभ तो चाहिए, पर पिता-माता के साथ रिश्ते अच्छे रखना उनकी प्राथमिकता नहीं है। ऐसे में, कई माता-पिता भी अपनी संतानों को बेदखल करने के लिए मजबूर हो जाते हैं। यह वक्त है, जब हमें जानना होगा कि अपने लोगों से संबंध और संवाद ही जीवन को सार्थक बनाता है। हमें अपने रिश्तों का दायरा इतना तो जरूर बढ़ाना चाहिए, जिसमें कम से कम अपना निकटतम परिवार पूरी तरह से शामिल हो जाए।

नये विश्व की उन्नत एवं आदर्श संरचना बिना वृद्धों की सम्मानजनक स्थिति के संभव नहीं है। वर्किंग बहुओं के ताने, बच्चों को टहलाने-घुमाने की जिम्मेदारी की फिक्र में प्राय: जहां पुरुष वृद्धों की सुबह-शाम खप जाती है, वहीं वृद्ध महिला एक नौकरानी से अधिक हैसियत नहीं रखती। यदि परिवार के वृद्ध कष्टपूर्ण जीवन व्यतीत कर रहे हैं, रुग्णावस्था में बिस्तर पर पड़े कराह रहे हैं, भरण-पोषण को तरस रहे हैं तो यह हमारे लिए वास्तव में लज्जा एवं शर्म का विषय है। इसी सन्दर्भ में सुप्रीम कोर्ट की संवेदनशीलता वर्तमान युग की बड़ी विडम्बना एवं विसंगति पर विराम देने का काम करेंगी। निश्चित ही आज के वृद्ध माता-पिता अपने ही घर की दहलीज पर सहमा-सहमा खड़ा है, वृद्धों की उपेक्षा स्वस्थ एवं सुसंस्कृत परिवार परम्परा पर काला दाग है। हम सुविधावादी एकांगी एवं संकीर्ण सोच की तंग गलियों में भटक रहे हैं तभी वृद्धों की आंखों में भविष्य को लेकर भय है, असुरक्षा और दहशत है, दिल में अन्तहीन दर्द है। इन त्रासद एवं डरावनी स्थितियों से वृद्धों को मुक्ति दिलाने के लिये जहां सुप्रीम कोर्ट का फैसला रोशनी बना है वही इसके लिये आज समाज एवं परिवार स्तर पर विचारक्रांति ही नहीं, बल्कि व्यक्तिक्रांति एवं परिवार-क्रांति की जरूरत है। सरकारों को भी सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए बेरोजगारों को या वृद्धजनों को सरकारी आर्थिक सहायता का प्रावधान करना चाहिए।

आधुनिक समाज में वृद्ध माता-पिता और उनकी संतान के बीच दूरियां बढ़ना त्रासदी है। भौतिक जिंदगी की भागदौड़ में नई पीढ़ी नए-नए मुकाम ढूंढने में लगी है, उनकी सुविधाओं एवं स्वच्छंदता का शिकार सर्वाधिक वृद्ध हो रहे हैं। आज वृद्धजन अपनों से दूर जिंदगी के अंतिम पड़ाव पर कवीन्द्र-रवीन्द्र की पंक्तियां गुनगुनाने को क्यों विवश है-'दीर्घ जीवन एकटा दीर्घ अभिशाप', दीर्घ जीवन एक दीर्घ अभिशाप है। निश्चित ही वृद्ध जीवन अभिशाप बन रहा है, क्योंकि आज वृद्धों को अकेलापन, परिवार के सदस्यों द्वारा उपेक्षा, दुर्व्यवहार, तिरस्कार, कटुक्तियां, घर से निकाले जाने का भय या एक छत की तलाश में इधर-उधर भटकने का गम हरदम सालता रहता। वृद्ध समाज इतना कुंठित एवं उपेक्षित क्यों है, एक अहम प्रश्न है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं उनकी सरकार अनेक स्वस्थ एवं आदर्श समाज-निर्माण की योजनाओं को आकार देने में जुटी है, उन्हें वृद्धों को लेकर भी चिन्तन करते हुए वृद्ध-कल्याण योजनाओं को लागू करना चाहिए, ताकि वृद्धों की प्रतिभा, कौशल एवं अनुभवों का नये भारत-सशक्त भारत के निर्माण में समुचित उपयोग हो सके एवं आजादी के अमृतकाल को वास्तविक रूप में अमृतमय बना सके।

-ललित गर्ग
लेखक, पत्रकार, स्तंभकार

वसुधैव कुटुम्बकम् की बात करने वाला देश एवं उसकी नवपीढ़ी आज एक व्यक्ति, एक परिवार यानी एकल परिवार की तरफ बढ़ रहे हैं वे अपने निकटतम परिजनों एवं माता-पिता को भी बर्दाश्त नहीं कर पा रहे हैं उनके साथ नहीं रह पा रहे हैं।

तमिलनाडु में हिंदी विरोध का सच

तमिलनाडु के बजट से रूपए के आधिकारिक हिंदी प्रतीक की विदाई और तमिलभाषा वाले प्रतीक के इस्तेमाल पर हंगामा स्वाभाविक है। दक्षिण में तमिलनाडु इकलौता राज्य है, जिसकी राजनीति तकरीबन सभी ज्वलंत मुद्दों पर बनी राष्ट्रीय सहमति से अलहदा कदम उठाती रही है। श्रीलंका के लिट्टे विद्रोहियों का मसला, हिंदी विरोध और लोकसभा सीटों के परिसीमन के मुद्दे, तमिल राजनीति की सोच राष्ट्रीय सहमति से अलग रही है। लिट्टे के खिलाफ जहां देशव्यापी गुस्सा रहा, वहीं डीएमके की राजनीति उसके प्रति राग से भरी रही। इस तरह उसने अपना एक अलग तमिल नैरेटिव रचा। रूपए के प्रतीक का तमिलकरण और हिंदी विरोध की ताजा सोच, अतीत के तमिल नैरेटिव का ही विस्तार है।

सबसे पहले आज के दौर की राजनीतिक मंशा को समझना जरूरी है। मौजूदा राजनीति का हर नया कदम और नई राजनीतिक नैरेटिव बनाने की कोशिश के परोक्ष और प्रत्यक्ष, दो उद्देश्य हैं। पहला मकसद जहां तुरंत जनभावनाओं को अपने पक्ष में मोड़कर सियासी फायदा उठाना होता है, वहीं इनके सहारे भविष्य के लिए अपनी मजबूत सियासी इमारत खड़ा करने की भी कोशिश भी रहती है। तमिलनाडु सरकार के उद्वेलित करने वाले हालिया कदमों का तात्कालिक कारण है अगले साल होने वाला विधानसभा चुनाव। इन मुद्दों के जरिए डीएमके अपने पक्ष में माहौल बनाने की कोशिश कर रही है। चूंकि ये मुद्दे तकरीबन आठ दशकों से डीएमके की राजनीतिक फसल के लिए बेहतर खाद रहे हैं, इसलिए एक बार फिर स्टालिन को इनसे उम्मीद नजर आ रही है।

संविधान के मुताबिक, भारत भले ही राज्यों का संघ हो, लेकिन राज्यों को राष्ट्रीय मुद्दों से अलग राह, जिनमें अलगाववाद के खतरे हों, किसी भी कीमत आगे बढ़ने की छूट नहीं है। संविधानसभा की बहस के दौरान राज्यों के ऐसे कदमों की आशंका जताई गई थी। इसी वजह से मजबूत केंद्र की अवधारणा की मांग स्वीकार की गई। इसके बावजूद आए दिन कुछ न कुछ राज्य राष्ट्रीय सोच से अलग रूख और राह अख्तियार करने की कोशिश करते रहते हैं। हाल के दिनों में इस कोशिश में वह पश्चिम बंगाल भी जुड़ गया है, जहां से राष्ट्रवाद की विचारधारा को बल मिला था। तमिलनाडु तो खैर अरसे से ही कई मुद्दों पर अलग रूख अख्तियार करता रहा है। ऐसा करते वक्त तमिल राजनीति इस तथ्य की अनदेखी करती रही है कि संविधान और राष्ट्र की प्राचीन अवधारणा के लिहाज से तमिल धरती पूरी तरह भारतीय है।

हिंदी विरोध की सोच तमिलनाडु में 1935 में डीएमके के वैचारिक उभार के साथ ही शुरू हुई। तब भी यह विचार, राष्ट्रीय युगबोध से अलग था। तमिलनाडु में पहले क्रांतिकारी सोच के नाम पर ब्राह्मण विरोध की शुरूआत हुई, जिसका अगला कदम हिंदी विरोध रहा। अब यह सोच एक तरह से उत्तर भारत के तीखे विरोध तक पहुंच चुकी है। दिलचस्प यह है कि इसमें कई बार कांग्रेस जैसी राष्ट्रीय पार्टी भी मददगार होती रही है। 2023 के विधानसभा चुनावों में छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और राजस्थान में बीजेपी और तेलंगाना में कांग्रेस को मिली जीत को लेकर कांग्रेसी बौद्धिकों ने नैरेटिव गढ़ा था। जिसके हिसाब से गोबर पट्टी के राज्यों को पिछड़ा और दक्षिणी राज्यों को समझदार बताया गया। यानी जो बीजेपी को चुने, वह पिछड़ा और जो कांग्रेस को चुने, वह प्रगतिशील। इस नैरेटिव ने एक तरह से उत्तर और दक्षिण के विभाजन की रेखा को खींचने की कोशिश की। इसी का विस्तार लोकसभा सीटों के परिसीमन को लेकर द्रविड़ राजनीति की ओर से उठाए जा रहे सवालों में भी दिख सकता है।

राष्ट्रीय सहमति और सोच से उलट सोच के लिए अतीत में डीएमके को कीमत भी चुकानी पड़ी है। 1991 में तत्कालीन चंद्रशेखर ने सरकार ने तब करूणानिधि सरकार को कुछ ऐसी ही वजह से बर्खास्त कर दिया था। कांग्रेस करीब दो दशक से डीएमके की सहयोगी है, लेकिन अतीत में एक बार वह भी डीएमके की ऐसी ही सोच के चलते केंद्र की गुजराल सरकार को गिरा चुकी है। अभी चाहे हिंदी का सवाल हो या फिर रूपए के प्रतीक को बदलने की बात, डीएमके के रूख पर कांग्रेस ने फिलहाल चुप्पी साध रखी है। ऐसा लगता है कि इन मुद्दों पर कांग्रेस की स्थिति सांप और छछूंदर जैसी हो गई है। अगर वह डीएमके का विरोध करती है तो उसे अपने स्थानीय समर्थकों के छिटकने का डर है और यदि समर्थन करती है तो उत्तर भारत में उसकी उम्मीदें बिखर सकती हैं। लेकिन बीजेपी ने आक्रामक रूख अपना रखा है। रूपए का हिंदी प्रतीक बदलने का सबसे तेज विरोध तमिल मूल की निर्मला सीतारमण और तमिलनाडु बीजेपी अध्यक्ष अन्नामलाई कर रहे हैं। उनका साथ उनकी पूर्ववर्ती तमिलसाई सौंदर्याराजन दे रही हैं। बीजेपी की कोशिश है, स्टालिन के हिंदी विरोध की हवा तमिल सोच के जरिए निकालने की है। इसका आधार जोहो कंपनी प्रमुख श्रीधर वेंबु हिंदी समर्थन में बयान देकर मुहैया करा चुके हैं।

अगले साल अप्रैल-मई में तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव होने हैं। 2021 के चुनाव में एक दशक के अन्नाद्रमुक राज के बाद डीएमके को सत्ता मिली थी। इसे बचाए रखने की जुगत में स्टालिन जुट गये हैं। उत्तर और हिंदी विरोधी माहौल जिंदा करना और स्थानीय भावनाओं को उभारना तमिलनाडु में सबसे आसान रहा है। त्रिभाषा फॉर्मूले में स्टालिन को हिंदी विरोध की आसान राह सूझी और वे मैदान में कूद पड़े। लोकसभा सीटों के परिसीमन में जनसंख्या के लिहाज से सीटें कम होने का डर वह पहले से दिखा रहे हैं। रूपए का प्रतीक बदलना उनका अगला कदम है।

1937 में पेरियार के हिंदी विरोधी आंदोलन को तकरीबन समूचे तमिल समुदाय का समर्थन मिला। 1965 में जब संवैधानिक प्रावधानों के चलते हिंदी राजभाषा बनने वाली थी, तब सीए अन्नादुरै की अगुआई में हुए तीव्र हिंदी विरोधी आंदोलन को भी समूचे तमिलनाडु का साथ मिला। इसके असर में दो साल बाद हुए विधानसभा चुनावों में कांग्रेस को सत्ता गंवानी पड़ी, तब से कांग्रेस राज्य में हाशिए पर ही है। हालांकि इस बार हिंदी विरोध, परिसीमन का डर या रूपए के प्रतीक बदलने को तकरीबन समूचे तमिल समुदाय का साथ मिलता नहीं दिख रहा। इसकी बड़ी वजह यह है कि तमिल समुदाय भी अब भाषा की राजनीति और उसके दायरे को समझने लगा है। संचार क्रांति के जरिए उसे भी पता है कि स्टालिन द्वारा उठाए जा रहे मुद्दों की खामी-खासियत क्या है? तमिल समुदाय के एक हिस्से भी समझ आने लगा है कि उनकी सरकार का विरोध एक बिंदु पर राष्ट्रीय धारा के विपरीत हो सकता है।

- उमेश चतुर्वेदी

राशिफल

चैत्र शुक्ल पक्ष पंचमी | **(विक्रम संवत् 2082)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
आमदनी में वृद्धि होगी। कुटुंबों में वृद्धि होगी। शब्द-साधक की तरह व्यवहार करेंगे।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
सुकुमारता के प्रतीक बने रहेंगे। आकर्षण के केंद्र बने रहेंगे। शुभता के प्रतीक बने रहेंगे।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
खर्च की अधिकता रहेगी, हालांकि शुभ कार्यों में खर्च होगा। प्रेम-संतान की स्थिति मध्यम।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
शुभ समय। रुका हुआ धन वापस मिलेगा। आय के नवीन स्रोत बनेंगे। शुभ समाचार की प्राप्ति होगी।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
कोर्ट-कचहरी में विजय मिलेगा। राजनीतिक लाभ होगा। व्यापारिक संतुलन बनेगा।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
भाग्य साथ देगा। रोजी-रोजगार में तरक्की होगी। यात्रा का योग बनेगा। धर्म-कर्म में हिस्सा लेंगे।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
चोट-चपेट लग सकती है। किसी परेशानी में पड़ सकते हैं। परिस्थितियां प्रतिकूल हैं।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
जीवनसाथी का सानिध्य मिलेगा। नौकरी चाकरी की स्थिति अच्छी होगी। स्वास्थ्य अच्छा। प्रेम-संतान अच्छा।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे)
शत्रु भी मित्रवत व्यवहार करेंगे। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। प्रेम-संतान की स्थिति अच्छी व व्यापार अच्छा रहेगा।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
संतान की स्थिति बहुत अच्छी है। प्रेम की स्थिति बहुत अच्छी है। व्यापारिक दृष्टिकोण से भी शुभ संकेत।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
भूमि, भवन व वाहन की खरीदारी के प्रबल योग बन रहे हैं। घर में कुछ उत्सव हो सकता है।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
व्यापारिक स्थिति सुदृढ़ होगी। अपनों का साथ होगा। स्वास्थ्य में सुधार होगा। प्रेम-संतान का साथ होगा।

पुरानी पेंशन बहाली को लेकर उप जिलाधिकारी को सौंपा ज्ञापन

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। अटेवा,पेंशन बचाओ मंच गौतमबुधनगर के बैनर तले प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के नाम एक ज्ञापन कल उप जिलाधिकारी को सौंपा गया।

अटेवा पुरानी पेंशन बहाली मंच के जिला संयोजक रविंद्र सिंह ने बताया कि सासंद और विधायक पुरानी पेंशन लेते हैं और शिक्षक, कर्मचारियों को एनपीएस और यूपीएस देते हैं यह सौतेला व्यवहार अब नहीं चलेगा। धरना का संचालन जिला महामंत्री जगबीर भाटी किया। सभी विभागों के साथियों ने धरने में सम्मिलित हुए। महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष नौरंगी सिंह ने धरने में आए सभी शिक्षक, कर्मचारी का आभार प्रकट किया।

धरने को डॉ कुलदीप मलिक शिक्षक नेता, यतीश शर्मा, अम्मा प्रकाश शर्मा राज्य कर्मचारी अशोक कुमार, डॉ बी सिंह, वीरेंद्र कुमार दीपक भाटी तस्लीम खान, आदि ने धरने को संबोधित किया।

धरने में भूदेव सिंह प्रमोद, बहादुर सिंह, वीरेंद्र सिंह चौहान, नीरज कुमार सिंह सुनील कुमार, आशीष श्रीवास्तव कुलदीप गुप्ता, उमर्वेग, गजराज सिंह तरुण चौहान, संजय खारी, उमेश खारी, वीरेंद्र विश्वकर्मा, रोहतास कुमार, जगदीश क्षेत्रपाल, दीपिका लता, शहनाज, कमलेश यादव, दुर्गावती, करण, राजीव, सत्येंद्र, पुष्पेंद्र, संतोष, भूरा सिंह, रमेश बेनीवाल, मुकेश गुप्ता सहित सैकड़ों लोगों ने भाग किया।

जरूरतमंदों को बांटी गई किताब

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। सामाजिक संगठन द्वारा आयोजित नौ दिवसीय नवरात्रि जागरूकता उत्सव के तीसरे दिन जरूरतमंद बेटियों की शिक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से दादरी स्थित बालाजी कॉलोनी में पुस्तक बैंक की एक नई शाखा का शुभारंभ किया गया। जिससे शिक्षा से वंचित बेटियों को एक उज्जवल भविष्य की ओर अग्रसर होने का अवसर मिलेगा।

उम्मीद संस्था के संस्थापक डॉ. देवेंद्र कुमार नागर एवं किसान नेता राजकुमार रूपवास ने बताया कि स्वयंसेवक राजकुमार आर्य ने अपने मकान का एक कमरा पुस्तक बैंक के लिए निशुल्क उपलब्ध कराया है, जिससे इस सराहनीय प्रयास को और अधिक मजबूती मिली है। उद्घाटन के पहले ही दिन लगभग 300 पुरानी पुस्तकें पुस्तक बैंक में एकत्र की गई दादरी में पुस्तक बैंक की स्थापना से शिक्षा से वंचित बेटियों को भी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। जब बेटियां शिक्षित होंगी, तो वे दहेज प्रथा, घरेलू हिंसा और समाज में बेटियों के प्रति हो रहे अन्याय व दुर्व्यवहार जैसी कुरीतियों के विरुद्ध सशक्त रूप से खड़ी हो सकेंगी।

इस मौके पर मुख्य रूप से किसान नेता राजकुमार रूपवास, ओमवीर आर्य, विनोद कुमार, राजकुमार आर्य, राकेश कुमार, मास्टर ब्रह्म सिंह उपस्थित रहे।

संचारी रोग नियंत्रण अभियान का आगाज

नोएडा (चेतना मंच)। उत्तर प्रदेश शासन के निर्देश पर परिषदीय विद्यालयों में प्रवेश के लिए अभिभावकों एवं बच्चों को प्रेरित करने के उद्देश्य से स्कूल चलो अभियान का प्रथम चरण एवं जनपद वासियों को संचारी रोगों से सुरक्षित बनाए रखने के लिए 1 अप्रैल से 30 अप्रैल 2025 तक चलने वाले विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान तथा 10 अप्रैल से 30 अप्रैल 2025 तक चलने वाले दस्तक अभियान का प्राइमरी विद्यालय मथुरापुर ग्रेटर नोएडा में मुख्य अतिथि विधान परिषद सदस्य श्रीचंद शर्मा एवं डीएम मनीष कुमार वर्मा द्वारा दीप प्रज्वलित कर विधिवत रूप से शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में बरेली में आयोजित हो रहे कार्यक्रम का सचिव प्रसारण भी किया गया।

इस अवसर पर जन जागरूकता के लिए प्राइमरी विद्यालय मथुरापुर ग्रेटर नोएडा से स्कूल चलो अभियान एवं विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान तथा दस्तक अभियान के प्रचार प्रसार के लिए रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना भी किया गया। साथ ही इस दौरान सूचना एवं जनसंपर्क विभाग से गीत एवं नाट्य प्रभाग द्वारा पंजीकृत दल के ह्यूमन हेल्थ एंड वेलफेयर फाउंडेशन के कलाकारों द्वारा नाटकों के माध्यम से भी लोगों को स्कूल चलो अभियान, विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान एवं दस्तक अभियान के प्रति जागरूक किया गया। इस अवसर पर माननीय एमएलसी श्री चंद शर्मा एवं जिलाधिकारी द्वारा स्कूली छात्र-छात्राओं को पाठ्य पुस्तक का भी वितरित की गई।

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी विद्यानाथ शुक्ला, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर नरेंद्र कुमार, डायट प्राचार्य राज सिंह यादव, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी राहुल पवार, जिला पंचायत राज अधिकारी वीरेंद्र सिंह, जिला मलेरिया अधिकारी श्रुति कीर्ति वर्मा, अध्यापकगण, अभिभावक एवं स्कूली बच्चे उपस्थित रहे।

प्राथमिक विद्यालय तुगलपुर में नवीन शैक्षिक सत्र का शुभारंभ

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। प्राथमिक विद्यालय तुगलपुर में नवीन शैक्षिक सत्र 2025-26 के प्रथम दिन छात्रों का उत्साहपूर्वक स्वागत किया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिवार द्वारा कक्षा चार और कक्षा पाँच के विद्यार्थियों को नवीन पाठ्यपुस्तकें वितरित की गईं। बच्चों के चेहरे पर नई पुस्तकों को पाकर खुशी की चमक देखने लायक थी। विद्यालय प्रधानाध्यापक ने विद्यार्थियों को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि पढ़ाई में मेहनत और नियमितता ही सफलता की कुंजी है। शिक्षकों ने बच्चों को पुस्तकों के महत्व के बारे में बताया और उन्हें स्वच्छता एवं सहेजकर रखने की सीख दी। विद्यालय में इस अवसर को और विशेष बनाने के लिए शिक्षकों ने छात्रों से नए सत्र में अपने लक्ष्य निर्धारित करने और मेहनत से पढ़ाई करने का संकल्प दिलाया। इससे विद्यार्थियों में पढ़ाई के प्रति उत्साह और प्रेरणा का संचार हुआ, जिससे वे नए जोश और उमंग के साथ अपने शैक्षणिक सफर की शुरुआत कर सकें।

छोटे उद्यमी ई-निविदा से नहीं ले पाएंगे भूखंड

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा में उद्यमियों की संस्था नोएडा एंटरप्रिन्योर्स एसोसिएशन (एनईए) ने ग्रेटर नोएडा, नोएडा एवं यमुना विकास प्राधिकरण द्वारा लाई गई औद्योगिक भूखंडों के लिए नई पॉलिसी पर चिंता जताई है। तीनों प्राधिकरण ने औद्योगिक भूखंड का आवंटन अब ई-निविदा से करने का फैसला लिया है।

नोएडा एंटरप्रेन्योर्स एसोसिएशन (एनईए) के अध्यक्ष विपिन कुमार मल्हन ने इस संबंध में उत्तर प्रदेश के सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्योग मंत्री राकेश सचान को पत्र लिखा है। पत्र में उन्होंने कहा कि कोई भी छोटा उद्यमी कभी भी ई-निविदा के माध्यम से औद्योगिक भूखंड नहीं ले सकता। क्योंकि ई-निविदा में भूखंड प्राधिकरण के रेट से बहुत ज्यादा मूल्य में जाता है और छोटे उद्यमी के लिए भूखंड लेना नामुमकिन होता है। वह हमेशा किराएदार ही रह जाता है। उन्होंने मंत्री से अपील की है कि यमुना एक्सप्रेसवे प्राधिकरण में 1000 एकड़ का एमएसएमई के लिए अलग से भूखंड आरक्षित किया जाए। जिसमें 500 वर्ग मीटर से 1800 वर्ग मीटर तक के भूखंड सूक्ष्म लघु एवं मध्य उद्योग कैटेगरी में आएं तथा उद्योगों को सस्ती दरों में आवंटित किया जाए ताकि उत्तर प्रदेश के आर्थिक विकास में छोटे उद्यमी भी हिस्सा बन सकें।

अगर आठवीं फेल हैं

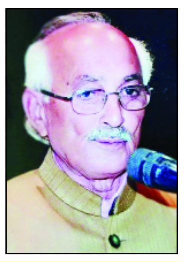

डॉ. कृष्णावतार (त्रिपाठी (राही) ज्ञानपुर (भदोही)

अगर आप आठवीं फेल हैं तो समझिए कि आपके लिए मंत्री तथा मुख्यमंत्री प्रधानमंत्री बनना बाएं हाथ का खेल है। इसके पहले प्रथम श्रेणी की लफंगई कीजिए किसी सीनियर गुंडे से, फिर चोरी, डकैती, हत्या एवं बलात्कार जैसे सुकृत्यो का बाकायदा प्रशिक्षण लीजिए और जब इन सारे कामों में अच्छी तरह पारंगत हो जाइए तब संसद अथवा विधानसभा का चुनाव लड़ जाइए। हथकंडे अपनाकर किसी तरह सिर्फ एक बार चुनाव जीत जाइए। फिर क्या है सारी जिंदगी मौज कीजिए। गुलछर्रे उड़ाइए, सरकार बने तो मंत्री बनिए वरना विपक्ष का मजा लीजिए। जिंदगी भर पेंशन लीजिए। देश का धन ले जाकर विदेशों में जमा कीजिए, मक्कारी, दलाली कीजिए, कुछ दिन जेल की हवा खाइए। देश को छुट्टा सांड चाहिए, धरती पर इंसान से ऊपर भगवान से बिल्कुल मत डरिए इंसान तो ठहरा अदना, बेचारा और भगवान ने आज तक किसी नेता का क्या बिगाड़ा। हनुमान जी को सवा मन लड्डू चढ़ाइए उसके ही मुद्दे पर कुर्सी दर कुर्सी चढ़ते जाइए। देश को हरी घास की तरह चरते जाइए अरे अब तो पत्थर के गणेश जी दुग्धपान करने लगे हैं। आप रक्तपान करते जाइए। आप मिडिल फेल हैं तो मत बताइए देश को लूटने के अभियान निश्चित होकर चलाइए।

नवागंतुक छात्रों का किया स्वागत

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। शैक्षिक सत्र 2025-26 के प्रथम दिवस पर विद्यालय में छात्रों का उत्साहपूर्वक स्वागत किया गया। शिक्षकों द्वारा विद्यार्थियों का पारंपरिक रूप से टीका लगाकर एवं पुष्प वर्षा कर अभिनंदन किया गया, जिससे विद्यालय परिसर उल्लास और आनंद से भर गया।

नवागंतुक छात्रों को विशेष रूप से सम्मानित किया गया और उनके उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामनाएँ दी गईं। विद्यालय प्रधानाचार्य एवं शिक्षकों ने प्रेरणादायक संदेश दिए, जिसमें उन्होंने विद्यार्थियों को अनुशासन, परिश्रम और सफलता के मूल मंत्र बताए।

विद्यालय परिवार को उम्मीद है कि यह नया शैक्षिक सत्र सभी के लिए ज्ञान, सृजनशीलता और सफलता से भरपूर रहेगा।

पूरे विश्व में वक्फ बोर्ड जैसी कोई नहीं है : प्रधान

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। हिन्दू युवा वाहिनी के पूर्व जिलाध्यक्ष एवं वरिष्ठ भाजपा नेता चैनपाल प्रधान ने कहा है कि वक्फ बोर्ड संपत्ति पर केंद्र सरकार लगाम लगाने जा रही है। उन्होंने कहा कि वक्फ बोर्ड जमीनों पर कब्ज़ा करने का एक तंत्र हैं

जिसे बहुत पहले ही निष्क्रिय कर देना चाहिए था, किसी भी मुस्लिम देश में वक्फ बोर्ड जैसी संस्था नहीं है, भारत का इस्लामिकरण करने के लिए पिछली सरकारों ने इस कानून को बनाया और समय के साथ इसे मजबूत किया ताकि गजवा ए हिन्द लागू किया जा सके,निश्चित ही वक्फ एक्ट का संशोधन इसे शक्ति विहीन करने का पहला कदम होगा।

भाकियू की बैठक में हुआ संगठन विस्तार

नोएडा (चेतना मंच)। भारतीय किसान यूनियन की मीटिंग संगठन विस्तार को लेकर छपरौली बारात घर में संपन्न हुई जिसकी अध्यक्षता रणपाल माहशय एवं संचालन सोनू तवर ने किया संगठन ने ओमप्रकाश मलिक को हाथरस का जिला अध्यक्ष एवं दीपक बच्चस को प्रदेश सचिव नियुक्त किया यह सभी नियुक्तियां राष्टीय अध्यक्ष सचिन शर्मा की सहमति से प्रदान की गई मीटिंग में मुख्य रूप से राष्टीय महासचिव शर्मा यादव उधम यदुवंशी सतपाल पुरुषोत्तम शर्मा दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष राकेश कसाना ग्रेटर नोएडा अध्यक्ष नीरज भाटी प्रदेश सचिव गजब भाटी गौतम बुद्ध नगर अध्यक्ष राजेश उपाध्याय वरिष्ठ नेता सोनू तंवर अरुण प्रधान, धर्मवीर यादव, देवेंद्र कश्यप आदि सैकड़ो की संख्या में पदाधिकारी मौजूद रहे भविष्य में भी अजगर का विस्तार किया जाएगा और नोएडा प्राधिकरण से बड़ी लड़ाई लड़ने के लिए टीम तैयार की जा रही है प्राधिकरण किसानों के कार्य नहीं कर रहा है इसको लेकर किसानों में काफी आक्रोश है।

पृष्ठ एक के शेष....

वक्फ संशोधन बिल...

किरेन रिजिजू ने कहा कि 2013 में दिल्ली वक्फ बोर्ड ने पार्लियामेंट की जो बिल्डिंग है, उसे भी वक्फ प्रॉपर्टी घोषित कर दिया. यूपीए की सरकार ने इसे डिनोटिफाई भी कर दिया। अगर नरेंद्र मोदी की सरकार नहीं होती, हम संशोधन नहीं लाते तो जिस जगह हम बैठे हैं, वह भी वक्फ की संपत्ति होती. यूपीए की सरकार होती तो पता नहीं कितनी संपत्तियां डिनोटिफाई होतीं। कुछ भी अपने मन से नहीं बोल रहा हूं। ये सब रिकॉर्ड की बात है. किरेन रिजिजू की इस बात पर विपक्ष ने हंगामा शुरू कर दिया। विपक्ष के जोरदार हंगामे पर किरेन रिजिजू ने कहा कि अगर तर्क नहीं है तो इस तरह से हंगामा करना ठीक बात नहीं है। स्पीकर ने कहा कि आपकी बारी आएगी तो आप अपनी बात रखिएगा। किरेन रिजिजू ने कहा कि वक्फ संशोधन बिल में किसी भी धार्मिक कार्यकलाप में हस्तक्षेप का कोई प्रावधान नहीं है. हम किसी भी मस्जिद के संचालन में हस्तक्षेप करने नहीं जा रहे. इस पर विपक्ष की ओर से किसी ने टिप्पणी की. स्पीकर ओम बिरला ने टोकते हुए नसीहत दी कि भारत की संसद में बैठे हो, गरिमा का ध्यान रखो. किसी भी व्यक्ति को बैठे-बैठे टिप्पणी का अधिकार नहीं है. किरेन रिजिजू ने कहा कि ये मस्जिद या धार्मिक क्रियाकलापों से जुड़ा मामला नहीं है. ये बस एक संपत्ति के मैनेजमेंट से जुड़ा विषय है. कोई मुसलमान जकात देता है तो उसे पूछने वाले हम कौन होते हैं. हम तो बस उसके मैनेजमेंट से जुड़ी बात कर रहे हैं. इसका धार्मिक व्यवस्था से कोई लेना-देना नहीं है.

किरेन रिजिजू ने केरल हाईकोर्ट और इलाहाबाद हाईकोर्ट की वक्फ को लेकर टिप्पणियों का जिक्र किया और सुप्रीम कोर्ट के एक आदेश का भी जिक्र किया. उन्होंने कहा कि ये तर्क ही नहीं बन रहा है कि मुसलमान के अधिकार में गैर मुसलमान कैसे आ रहा है. 2013 में चुनाव आना था, आचार संहिता लगने ही वाली थी, 5 मार्च 2014 को 123 प्राइम प्रॉपर्टीज को सरकार ने दिल्ली वक्फ बोर्ड को ट्रांसफर कर दिया. इससे वोट नहीं मिलने वाला. देश के लोग समझदार हैं. इसको बदलना जरूरी था. किरेन रिजिजू ने कहा कि 1995 में ऐसा नहीं था, 2013 में आपने बदल दिया कि वक्फ कोई भी क्लियर कर सकता है. हमने पुराना प्रावधान लाते हुए कहा है कि वही क्लियर कर सकता है जिसने कम से कम पांच साल इस्लाम की प्रैक्टिस किया है. इसमें शिया, सुन्नी, महिला, सभी रहेंगे ये हमने किया है. मैं मुस्लिम नहीं हूं लेकिन वक्फ काउंसिल का चेयरमैन हूं. मेरे होने के साथ चार और गैर मुस्लिम इसमें हो सकते हैं. दो महिला का रहना अनिवार्य है. सेंट्रल वक्फ काउंसिल में कुल 22 सदस्यों में चार गैर मुस्लिम से ज्यादा नहीं हो सकते हैं. तीन सांसद होंगे. 10 सदस्य मुस्लिम समुदाय से और दो पूर्व जज होंगे. एडिशनल सेक्रेटरी या जॉइंट सेक्रेटरी उसमें रहेंगे. स्टेट बोर्ड में 11 सदस्यों में तीन से ज्यादा गैर मुस्लिम नहीं हो सकते. एक एमपी, एक एमएलए, एक सदस्य बार काउंसिल से और चार सदस्य मुस्लिम समुदाय से होंगे. इनमें एक महिला का होना भी अनिवार्य है. जो प्रावधान जरूरी नहीं थे, उनको मिलाते हुए हमने नया प्रावधान किया है. महिलाओं और बच्चों के अधिकारों के साथ ही ट्रिब्यूनल में पेंडिंग 10 हजार से अधिक केस सेटल करने और कुछ साल में इनकी संख्या 30 हजार से अधिक हो गई है। वक्फ बोर्ड के पास भारतीय रेलवे, रक्षा के बाद वक्फ के पास तीसरा सबसे बड़ा लैंडबैंक है. ट्रेन का पटरी लगा हुआ है, वो देश की संपत्ति है।

बरौला में रात के...

अधिसूचित क्षेत्र में बिना अनुमति प्राप्त किए निर्माण किया जाना अनुमन्य नहीं है। पूर्व में भूलेख विभाग के राजस्व निरीक्षक एवं उनके द्वारा फील्ड स्टाफ के साथ पहुंचकर अवैध निर्माण को रोकने का प्रयास किया गया परंतु अतिक्रमणकर्ता ने उन्हें कार्य बंद करने से मना कर दिया। आरोपी चोरी छुपे रात में निर्माण कार्य करा रहे हैं। दोनों आरोपियों को पूर्व में कई बार निर्माण कार्य बंद करने के लिए चेतावनी भी दी गई लेकिन उन्होंने निर्माण कार्य बंद नहीं किया थाना प्रभारी का कहना है कि अवर अभियंता की शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच पड़ताल की जा रही है

युवती को अज्ञात...

में भर्ती कराया। विनीता की हालत को देखते हुए चिकित्सकों ने उसे दिल्ली के हायर सेंटर के लिए रेफर कर दिया। अरविंद कुमार की शिकायत पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है और आरोपी वाहन चालक की तलाश कर रही है।

मज़दूरी के पैसे...

उसने जब अपनी तनख्वाह के पैसे मांगे तो चेतना आनंद ने उसके साथ गाली गलौज करते हुए मारपीट कर दी। इस दौरान उसके साथ मौजूद डिंपल बजाज ने भी उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। पीड़िता के मुताबिक सोसायटी के गेट पर मौजूद महिला गार्ड्स ने किसी तरह उसे दोनों महिलाओं के चंगुल से बचाया। इसके बाद दोनों उसे जान से मारने की धमकी देकर चली गई। पुलिस का कहना है कि पीड़िता की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है।

सेक्टर 18 में कृष्णा...

इस हादसे में घायल होने वालों में मुख्य अग्निशमन अधिकारी (सीएफओ) प्रदीप कुमार चौबे] अग्निशमन अधिकारी एफएसओ नारायण सिंह, अग्निशमन कर्मचारी राजेश शर्मा, महेश कुमार, वरुण धर्मेंद्र नागर आदि लोग शामिल हैं। यह सभी शीशे तोड़ने तथा धुएं की चपेट में आने से घायल हो गए।

उधर सेक्टर 18 के दुकानदार, व्यापारियों एवं शहर के विभिन्न व्यापारिक संगठनों ने जान की बाजी लगाकर 170 लोगों को सकुशल बाहर निकालने पर एफएसओ समेत अग्निशमन विभाग की पूरी टीम को बधाई दी तथा प्रशंसा की। उनका कहना कि अग्निशमन कर्मचारियों की तत्परता तथा सूझबूझ से 170 लोगों को जीवित बचाए जा सका। उनकी मांग है कि सरकार ऐसे जांबाज अग्निशमन अधिकारियों व कर्मचारियों को इनाम दे तथा उनको सम्मानित करें। उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष विकास जैन ने भी कहा है कि ऐसे जांबाज अग्निशमन अधिकारियों व कर्मचारियों को सम्मानित किया जाएगा।

कार का शीशा तोड़कर...

खड़ी कर दी और भीतर चला गया। कुछ देर बाद जब वह माल से खरीदारी कर वापस लौटा तो उसे कार का शीशा टूटा हुआ मिला। चोर कार में रखे लैपटॉप को चोरी कर ले गए थे। पुलिस का कहना है कि पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच पड़ताल की जा रही है।

संपत्ति के झगड़े...

पैर तोड़ने की धमकी दी। पीड़िता का आरोप है कि मुकदमा वापस लेने के लिए उसे पर लगातार दबाव बनाया जा रहा है और आए दिन उसे धमकियां दी जाती हैं। पुलिस का कहना है कि पीड़िता की रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच पड़ताल की जा रही है।

अखिलेश यादव व सांसद ...

गौतमबुद्धनगर लोकसभा क्षेत्र से सांसद व पूर्व केन्द्रीय मंत्री डॉ. महेश शर्मा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ दो तस्वीरें घिबली आर्ट के माध्यम से पोस्ट की है। इसके साथ ही समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भी घिबली ट्रेड से अपनी फोटो बनाकर एक्स एकाउंट पर पोस्ट की है जिस पर कई कमेंट्स आए हैं। नोएडा में भाजपा नेता धर्मेंद्र चौहान ने नोएडा के विधायक पंकज सिंह के साथ फोटो शेयर की है। इसमें पुरानी तस्वीर और घिबली आर्ट के साथ की तस्वीर है। इस पर लोगों अपनी-अपनी प्रतिक्रियाएं दी हैं। एसीपी प्रवीण कुमार सिंह ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ तस्वीर पोस्ट की है।

पुश्तैनी हवेली के..

दोनों व्यक्ति उनकी पुश्तैनी हवेली की देखभाल करते थे। भारतपाल व राहुल ने उनसे कुछ समय पूर्व निवेदन किया कि वह उक्त हवेली के अहाते में अपने पशु बांध लें। डीके गर्ग के मुताबिक उन्होंने अपने भाई वेद प्रकाश से पूछकर दोनों व्यक्तियों को हवेली में पशु आदि बांधने तथा हवेली की देख-रेख करने की अनुमति दे दी। डी के गर्ग के मुताबिक कुछ समय बाद दोनों आरोपियों ने हवेली के कुछ हिस्से को क्षतिग्रस्त करके गिरा दिया। उन्हें जब जानकारी मिली तो वह अपनी हवेली पर पहुंचे हवेली का निरीक्षण करने पर उन्हें हवेली के दरवाजे की खिड़कियां, छत की कड़ियां, छोटा मंदिर, अष्टधातु की मूर्तियां, पूजा का सामान, चांदी की थाली, तांबे की लुटिया घंटी, ज्योत व अन्य सामान गायब था। उन्होंने दोनों व्यक्तियों से सामान के बारे में पूछा तो वह कोई संतोषजनक उत्तर नहीं दे पाए। उसके बाद उन्होंने भारतपाल व राहुल के खिलाफ चोरी करने सहित विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया है पुलिस का कहना है कि मामले की जांच पड़ताल की जा रही है।

दैनिक चेतना मंच

भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।

डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99

RNI No. 69950/98

स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने M/s Sai Printing Press, डी-85 सेक्टर-6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया। संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी

Contact:
0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340
E-mail:
chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

हसरंगा ने सीएसके के खिलाफ बनाया विशेष रिकॉर्ड, हरभजन-ब्रैड हॉग पहले से लिस्ट में शामिल

35 रन देकर 4 विकेट चटकाए

गुवाहाटी (एजेंसी)। राजस्थान रॉयल्स के लेग ब्रेक स्पिनर वानिंदु हसरंगा ने चेन्नई सुपरकिंग्स के खिलाफ 4 विकेट लेकर एक विशेष क्लब में प्रवेश किया और गुवाहाटी की सतह पर 183 रनों का पीछा करने की चेन्नई की कोशिश की कमर तोड़ दी। उन्होंने राहुल त्रिपाठी, विजय शंकर, शिवम दुबे और कप्तान रुतुराज गायकवाड़ को आउट करके सीएसके के बल्लेबाजी क्रम को तहस-नहस कर दिया। उन्होंने चार ओवरों की अपनी पूरी गेंदबाजी कोटा समाप्त करते हुए 35 रन देकर 4 विकेट चटकाए और इस लुभावनी लीग में चेन्नई के खिलाफ 4 विकेट लेने वाले तीसरे स्पिनर बन गए।

पूर्व गेंदबाज हरभजन सिंह ने 2011 में मुंबई इंडियंस के लिए शानदार प्रदर्शन करते हुए पांच बार की चैंपियन के खिलाफ 18 रन देकर 5 विकेट चटकाए थे। ब्रैड हॉग इस क्लब में प्रवेश करने वाले दूसरे खिलाड़ी थे जिन्होंने कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए 29 रन देकर 4 विकेट चटकाए थे। इसके अलावा रॉयल्स के लिए एस20 लॉकंस के लिए स्पिन करते हुए उन्होंने चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ 4 से अधिक विकेट चटकाए थे। इससे पहले पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज सोहेल तनवीर ने पहले संस्करण में जयपुर में 14 रन देकर 6 विकेट चटकाए थे।

हसरंगा जहां अपनी व्यक्तिगत और राजस्थान की सफलता का आनंद ले रहे थे, वहीं सीएसके को वास्तविकता का सामना करना पड़ा। टूर्नामेंट के इतिहास में सबसे लगातार प्रदर्शन करने वाली टीमों में से एक मानी जाने वाली चेन्नई ने आईपीएल 2021 के बाद से उन 9 मैचों में से प्रत्येक में हार का सामना किया है जिसमें उन्हें 175 से अधिक के लक्ष्य का पीछा किया। उन्होंने इनमें से सात मुकाबलों में टॉस जीता, जिसमें गुवाहाटी में राजस्थान के खिलाफ उनकी हार भी शामिल है।

राजस्थान के टॉस हारने के बाद नितीश राणा की 36 गेंदों पर 81 रनों की तूफानी पारी ने स्टेडियम में माहौल बनाया और रॉयल्स को 182/9 के प्रतिस्पर्धी स्कोर तक पहुंचाया। जवाब में चेन्नई को शुरू से ही संघर्ष करना पड़ा और आवश्यक रन गति को नियंत्रण में रखने में भी उन्हें संघर्ष करना पड़ा। अंततः यह मैच सीएसके की पहुंच से बाहर हो गया और उन्हें छह रन से हार का सामना करना पड़ा।

धोनी के आउट होने पर सीएसके फैन गर्ल हुई वायरल, अदाओं ने अपनी तरफ खींचा सबका ध्यान

स्पोर्ट्स डेस्क (एजेंसी)। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को गुवाहाटी में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ खेले गए आईपीएल 2025 के 11वें मैच में हार का सामना करना पड़ा। रोमांचक मुकाबले में महेंद्र सिंह धोनी के आउट का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है जिसमें सीएसके की फैन गर्ल के रिएक्शन ने सभी का ध्यान अपनी तरफ खींचा। राजस्थान बनाम चेन्नई के मुकाबले में आखिरी ओवर में चेन्नई को जीत के लिए 20 रन चाहिए थे। उस वक्त धोनी और रविंद्र जडेजा क्रीज पर मौजूद थे और फैंस को उम्मीद थी कि धोनी एक बार फिर से कमाल दिखाएंगे। लेकिन संदीप शर्मा ने पहली ही गेंद पर धोनी को बाउंड्री के पास कैच आउट करा दिया जिससे मैच राजस्थान के पक्ष में चला गया। धोनी के आउट होने के बाद कैमरे की नजर स्टेडियम में बैठी एक लड़की पर गई, जो बेहद गुस्से में दिखाई दी और हाथ के इशारों से यह साफ जाहिर था। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया और देखते ही देखते लोग इस लड़की को धोनी फैन गर्ल कहने लगे।

एशियाई कुश्ती चैम्पियनशिप में दीपक पूनिया और उदित को रजत, दिनेश को कांस्य

अम्मान (जोर्डन), एजेंसी। भारतीय पहलवान दीपक पूनिया ने एशियाई चैंपियनशिप में तीसरी बार रजत पदक जीता, जबकि उदित को लगातार दूसरी बार दूसरे स्थान से संतोष करना पड़ा। पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने में नाकाम रहे पूनिया ने बेकजात राखिमोव के खिलाफ 92 किग्रा वर्ग के कड़े मुकाबले में जीत के साथ वापसी की। पूनिया को किर्गिस्तान के प्रतिद्वंद्वी से कड़ी टक्कर मिली, लेकिन वह क्वार्टर फाइनल में 12-7 से जीत दर्ज करने में सफल रहे।पूनिया को जापान के ताकाशी इशिगुरो से कड़ी चुनौती मिलने की उम्मीद थी, लेकिन भारतीय पहलवान ने उन्हें आसानी से 8-1 से हरा दिया। स्वर्ण पदक के मुकाबले में ईरान के दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी अमीरहुसैन बी फिरोजपोरबांदपेई ने उन्हें तकनीकी श्रेष्ठता से हराया। पूनिया ने एशियाई चैंपियनशिप में चार पदक जीते हैं। वह 2021 में अल्माटी और 2022 में उलानबटोर में फाइनल में हार गए थे, जबकि 2019 और 2020 में कांस्य पदक जीते। उदित ने भी 61 किग्रा में किर्गिस्तान के बेकबोलोट मिर्जानजार उलु को 9-6 से हराने के बाद चीन के वानहाओ झोउ को 2-0 से शिकस्त दी। उन्होंने पिछले साल रजत पदक जीता था। स्वर्ण पदक के मुकाबले में उन्हें दुनिया के नंबर एक पहलवान ताकारा सूडा ने 6-4 से हराया। भारत के मुकुल दहिया ने भी दो जीत के साथ सेमीफाइनल में जगह बनाई। सिंगापुर के वेंग लुएन गैरी चाउ को दहिया ने बिना अंक गंवाए तकनीकी दक्षता के आधार पर हराने के बाद किर्गिस्तान के दुनिया के दूसरे नंबर के खिलाड़ी मुहम्मद अब्दुल्लाव को 3-1 से शिकस्त दी।सेमीफाइनल में दहिया को हालांकि ईरान के दुनिया के तीसरे नंबर के खिलाड़ी अबुलफजल वाई रहमानी फिरौजाई के खिलाफ तकनीकी दक्षता के आधार पर शिकस्त झेलनी पड़ी। कांस्य पदक के प्लेआफ मुकाबले में उन्हें जापान के तत्सुया शिराइ ने 4-2 से हराया। दिनेश भी हेवीवेट 125 किग्रा वर्ग के सेमीफाइनल में पहुंचे।

कोनर्स-फेडरर के क्लब में जगह बनाने से चूके जोकोविच, 19 साल के मेन्सिक ने जीता मियामी ओपन का खिताब

नईदिल्ली, एजेंसी। चेक रिपब्लिक के उभरते सितारे जाकुब मेन्सिक ने सर्बिया के महान टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच को हराकर मियामी ओपन का खिताब जीत लिया है। मियामी के हार्ड रॉक स्टेडियम में खेले पुरुष एकल के फाइनल में मेन्सिक ने 7-6, 7-6 से जीत दर्ज की। वहीं, महिला एकल के फाइनल में बेलारूस की आर्यना सबालेंका ने जेसिका पेगुला को हरा दिया और अपना 19वां टूर खिताब जीता।19 साल के मेन्सिक और विश्व रैंकिंग में 54वें स्थान पर काबिज मेन्सिक ने जोकोविच को हराकर उन्हें 100वें पेशेवर खिताब से दूर कर दिया। 24 ग्रैंड स्लैम जीत चुके जोकोविच ने इस मैच में अहम मौकों पर कई गलतियां कीं। वहीं, मेन्सिक ने 14 एस के साथ जोकोविच पर ताबड़तोड़ हमले किए। 37 साल के जोकोविच अगर यह फाइनल जीतते तो वह जिमी कोनर्स और रोजर फेडरर के क्लब में शामिल हो जाते, लेकिन ऐसा नहीं हो सका। कोनर्स ने अपने करियर में 109 पेशेवर खिताब और फेडरर ने 103 पेशेवर खिताब जीते थे। यह दोनों ओपन एरा में 100 या इससे ज्यादा करियर टाइटल्स जीतने वाले खिलाड़ी हैं। दोनों फाइनलिस्ट के बीच 18 साल 102 दिन का अंतर था, जो कि 1976 के बाद किसी भी एटीपी-1000 स्तर के फाइनल या किसी भी टूर स्तर के फाइनल में सबसे बड़ा उम्र का अंतर था। इससे पहले यह रिकॉर्ड आंद्रे अगासी और राफेल नडाल के बीच मॉन्ट्रियल मास्टर्स 2005 के फाइनल मुकाबले के नाम था। तब अगासी 35 साल और नडाल 19 साल के थे और फाइनल में दोनों के बीच उम्र का अंतर 16 साल 35 दिन का था। मैच में बारिश ने खलल डाला। साढ़े पांच घंटे की देरी से मैच शुरू हुआ। दोनों ही सेट टाइ ब्रेकर में गए, लेकिन मेन्सिक जोकोविच के खिलाफ इसमें बेहतर करने में सफल रहे।

नीतीश राजस्थान के लिए पावरप्ले में सर्वाधिक रन बनाने वाले तीसरे बल्लेबाज, 21 गेंदों में जड़ा पचासा

गुवाहाटी (एजेंसी)। राजस्थान की शुरुआत इस मैच में झटके के साथ हुई थी। खलील अहमद ने पहले ही ओवर में यशस्वी जायसवाल (4) को अश्विन के हाथों कैच कराया। इसके बाद बल्लेबाजी के लिए नीतीश राणा आए। उन्होंने संजू सैमसन के साथ दूसरे विकेट के लिए 82 रनों की साझेदारी की और पावरप्ले में राजस्थान का स्कोर 80 रन के करीब पहुंचाया। राजस्थान रॉयल्स के स्टार बल्लेबाज नीतीश राणा शानदार फॉर्म में नजर आए। उन्होंने महज 21 गेंदों में करियर का 19वां अर्धशतक जड़कर चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के गेंदबाजों को परेशान किया। हालांकि, धोनी ने उन्हें स्टंप आउट कर दिया। बता दें कि, आईपीएल 2025 का 11वां मुकाबला राजस्थान और चेन्नई के बीच खेला जा रहा है। इस मैच में कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया है।

पावरप्ले में राजस्थान रॉयल्स के लिए सर्वोच्च स्कोर बनाने वाले बल्लेबाज

रन	बल्लेबाज	विपक्षी टीम	स्थान	वर्ष
66*	जोस बटलर	दिल्ली कैपिटल्स	दिल्ली	2018
62*	यशस्वी जायसवाल	कोलकाता नाइट राइडर्स	कोलकाता	2023
58	नीतीश राणा	चेन्नई सुपर किंग्स	गुवाहाटी	2025*
54	जोस बटलर	सनराइजर्स हैदराबाद	हैदराबाद	2023
54	जोस बटलर	गुजरात टाइटंस	मुंबई	2022

चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ पावरप्ले में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली टीमें

रन/विकेट	टीम	स्थान	वर्ष
81/1	राजस्थान रॉयल्स	अबू धाबी	2021
80/1	लखनऊ सुपर जायंट्स	चेन्नई	2023
79/1	राजस्थान रॉयल्स	चेन्नई	2025*
78/0	मुंबई इंडियंस	मुंबई	2008

राजस्थान के लिए अपना तीसरा मुकाबला खेलने उतरे बाएं हाथ के बल्लेबाज नीतीश ने 36 गेंदों में 81 रन बनाए। इस दौरान उन्होंने 225 के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी करते हुए 10 चौके और पांच छक्के लगाए। पावरप्ले में उन्होंने 58 रन बनाए। इसी के साथ वह राजस्थान के लिए पावरप्ले में तीसरा सबसे बड़ा स्कोर बनाने वाले तीसरे बल्लेबाज बन गए। इस मामलें में शीर्ष पर जोस बटलर हैं, जिन्होंने 2018 में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मुकाबले में 66* रन बनाए थे।

धोनी 10 ओवर तक बल्लेबाजी नहीं कर सकते :सीएसके के मुख्य कोच फ्लेमिंग

चेन्नई (एजेंसी)। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को गुवाहाटी में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ खेले गए आईपीएल 2025 के 11वें मैच में हार का सामना करना पड़ा। रोमांचक मुकाबले में आखिरी ओवर में चेन्नई को जीत के लिए 20 रन चाहिए थे और महेंद्र सिंह धोनी आउट हो गए और उसी वक्त फैंस और टीम की उम्मीदें भी खत्म हो गईं। मैच के बाद सीएसके के मुख्य कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने कहा कि महान भारतीय विकेटकीपर एमएस धोनी इंडियन प्रीमियर लीग के दौरान 10 ओवर तक बल्लेबाजी नहीं कर सकते।

धोनी ने पहले मैच में केवल दो गेंदों का सामना किया था जिसे चेन्नई ने जीता था, तथा रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु से मिली हार में उन्होंने 16 गेंदों पर 30 रन बनाए थे, लेकिन वे असफल रहे थे। फ्लेमिंग ने कहा, %यह समय की बात है - एमएस इसका आकलन करते हैं। उनके घुटने पहले जैसे नहीं रहे। वे ठीक चल रहे हैं, लेकिन अभी भी उनमें कमजोरी है। वे पूरी ताकत से दौड़ते हुए 10 ओवर तक बल्लेबाजी नहीं कर सकते, इसलिए वे उस दिन यह आकलन करेंगे कि वे हमें क्या दे सकते हैं।

उन्होंने कहा, अगर खेल संतुलन में है, तो वह थोड़ा पहले चला जाएगा और जब अन्य अवसर सामने आएंगे तो वह अन्य खिलाड़ियों का समर्थन करेगा। यह संतुलन बनाने के बारे में है। मैंने पिछले साल कहा था कि वह बहुत मूल्यवान है और नेतृत्व के लिहाज से उसे 9 या 10 ओवर के बाद मैदान में उतारना उचित नहीं है - उसने ऐसा कभी नहीं किया। 13/14 के आसपास से वह इस बात पर निर्भर करेगा कि कौन टीम में है।

एथलीट पोते के साथ शुरू हुआ सफर, अब 93 की उम्र में देश के लिए जीतना चाहती हैं गोल्ड

बेंगलूर (एजेंसी)। आपने कई बार सुना होगा कि उम्र सिर्फ एक संख्या है, खास कर उन लोगों के लिए जिनके पास विजन है और कुछ कर दिखाने का जजबा है। एथलीट पानी देवी पर यह बातें सटीक बैठती हैं जिन्होंने बेंगलुरु में मास्टर्स एथलेटिक्स चैंपियनशिप में दौड़, डिस्कस थ्रो, गोला फेंक में 3 गोल्ड मेडल जीते हैं।

घुटने में चोट और 93 साल की उर्म उन्हें रोकने में बेअसर रही और 100 मीटर रेस 45 सेकंड में पूरी की। अब इंडोनेशिया में होने वाले टूर्नामेंट के लिए चुनी गई हैं। मास्टर्स एथलेटिक्स चैंपियनशिप उन पुरुष-महिलाओं के लिए होती है, जिनकी उम्र 35 साल से अधिक हैं। हालांकि इस प्रतियोगिता में 100 साल की उम्र तक के प्रतियोगी हिस्सा ले सकते हैं। अब उनकी नजर विश्व मास्टर्स एथलेटिक्स चैंपियनशिप में गोल्ड जीतने पर हैं। पानी देवी का सफर दो साल अपने एथलीट पोते जयकिशन गोदारा के साथ ग्राउंड से शुरू हुआ जहां वहां दिव्यांग बच्चों को खेलते देख सोचती हैं कि मैं भी कर सकती हूं। पोते ने दौड़ने के लिए कहा और पानी देवी 400 मीटर का चक्कर लगा दिया। रुचि बढ़ी तो रोज ग्राउंड पर जाना शुरू किया और शॉट पुट और डिस्कस थ्रो सीखा।

तीर्थ यात्रा के बहाने चैंपियनशिप हिस्सा लिया और तीन मैडल जीते - नवंबर 2023 में पानी देवी के पोते ने अलवर में स्टेट मास्टर्स एथलेटिक्स प्रतियोगिता में हिस्सा लेने को कहा। उन्होंने समाज के डर से पहले तो मैंने मना कर दिया लेकिन फिर उन्होंने हम तीर्थ यात्रा पर जाने की बात कहकर सफर शुरू कर दिया। मास्टर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में पहली बार हिस्सा लिया और तीन गोल्ड जीते।

अब इंडोनेशिया की तैयारी -इसके बाद भी किसी को कुछ नहीं बताया और 2024 में पुणे में नेशनल मास्टर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में बिना किसी को बताया हिस्सा लिया और वहां भी तीन गोल्ड जीते। इस बार पोते ने फेसबुक पर पोस्ट डाल दी और इंटरनेशनल टूर्नामेंट के लिए स्वीडन जाने का मौका मिला, लेकिन अधिक खर्च के कारण नहीं जा पाई। पिछली बार विदेश यात्रा के लिए विधायक, खेल मंत्री तक गुहार लगाई। लेकिन मदद नहीं मिली। इस बार इंडोनेशिया जाना है। वहां भेजने के लिए राजस्थान के मुख्यमंत्री, खेल मंत्री से लेकर पीएम को चि?ट्ठी लिखी है।

फिटनेस मंत्र भी समझे - पानी देवी का कहना है कि वह सुबह 4 से 5 बजे के बीच उठ जाती हैं और सुबह से रात तक व्यस्त रहती है। वह अपने सभी काम खुद करती हूं और शाम को युवा एथलीट्स के साथ प्रैक्टिस करती हैं।

मेरी गलती थी, भगवान नहीं हूं... 17 साल बाद भी पछ्ता रहे हरभजन

नईदिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2008 क्रिकेट के इतिहास में एक ऐतिहासिक टूर्नामेंट था, जिसने इस खेल को नए आयाम दिए. राजस्थान रॉयल्स की चौंकाने वाली जीत, ब्रेंडन मैकुलम की विस्फोटक पारी और युवा भारतीय खिलाड़ियों के उभरने जैसी कई यादगार घटनाएं उस सीजन में देखने को मिलीं. लेकिन इस शानदार सीजन में एक ऐसी घटना भी हुई, जिसने क्रिकेट प्रेमियों को हैरान कर दिया था. यह घटना थी 'स्लैपगेट विवाद', जिसमें मुंबई इंडियंस के कप्तान हरभजन सिंह ने किंग्स इलेवन पंजाब के तेज गेंदबाज एस. श्रीसंत को थप्पड़ मार दिया था. यह घटना 2008 में हुई, जब मुंबई इंडियंस और किंग्स इलेवन पंजाब (अब पंजाब किंग्स) के बीच एक मुकाबला खेला गया. पंजाब ने उस मैच में शानदार प्रदर्शन किया और मुंबई को हरा दिया ।

टीम जर्सी में मलाइका अरोड़ा ने राजस्थान रॉयल्स को किया चीयर

नईदिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग में रविवार को राजस्थान रॉयल्स और चेन्नई सुपर किंग्स के बीच मैच खेला गया। रियान पराग की कप्तानी में राजस्थान ने चेन्नई को मात दी और सीजन में अपना खाता खोला। इस मैच के दौरान सोशल मीडिया पर एक तस्वीर वायरल हुई जो कि चर्चा का कारण बन गई। मैच के दौरान टीवी स्क्रीन पर बॉलीवुड एक्ट्रेस मलाइक अरोड़ा नजर आईं।

सिर्फ इतना ही नहीं उनके साथ राजस्थान रॉयल्स के डायरेक्टर ऑफ क्रिकेट और पूर्व श्रीलंकाई कप्ताम कुमार संगाकारा बैठे नजर आए। इस तस्वीर के वायरल होते ही लोगों ने दोनों के बीच कनेक्शन जोड़ना शुरू कर दिया। मलाइका अरोड़ा राजस्थान रॉयल्स की जर्सी में नजर आईं। संगाकारा भी जर्सी में ही बैठे थे। लोगों ने यह अंदाजा लगाना शुरू कर दिया कि दोनों डेट कर रहे हैं। मलाइका अरोड़ा इस समय सिंगल हैं और उन्होंने अपनी डेटिंग लाइफ पर हाल फिलहाल में कोई अपडेट नहीं दिया है। ऐसे में लोगों ने यही दावा किया कि दोनों डेट कर रहे हैं। हालांकि इसकी संभावना काफी कम है। इसका बड़ा कारण है कुमार संगाकारा। श्रीलंका का यह दिग्गज खिलाड़ी शादीशुदा है। उन्होंने येहुली से शादी की है जिससे उनके बच्चे भी है। वह एक बेटी और एक बेटे के पिता हैं। दोनों के तलाक या अलग होने की कोई जानकारी मौजूद नहीं है। संगाकारा के बच्चे और पत्नी अब भी कई मौकों पर साथ नजर आए हैं। ऐसे में मलाइका के साथ उनके रिश्ते की संभावना कम है।

यह हो सकता है कनेक्शन

मलाइका अरोड़ा और राजस्थान रॉयल्स के बीच एक ऐसा कनेक्शन है जो कि एक्ट्रेस के वहां मौजूद होने का कारण हो सकता है। राजस्थान रॉयल्स के नियमित कप्तान संजू सैमसन हैं। केरल के रहने वाले संजू दक्षिण भारत में काफी लोकप्रिय हैं और उनकी काफी फैन फोलोविंग भी हैं।

नीतीश राणा के आक्रामक अंदाज के मुरीद हुए केन विलियमसन

बेलिंग्टन, एजेंसी। न्यूजीलैंड के दिग्गज बल्लेबाज केन विलियमसन ने नीतीश राणा की तारीफ में खूब कसीदे पढ़े हैं। उन्होंने राणा की 36 गेंद में 81 रन की पारी को 'शीर्ष स्तर की बेहतरीन पारी' कहा और चेन्नई सुपरकिंग्स पर 6 रन की जीत का श्रेय राजस्थान रॉयल्स की फील्डिंगो भी दिया।

तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए नीतीश ने आक्रामक पारी खेली जिससे रॉयल्स ने नौ विकेट पर 182 रन बनाए और फिर सुपरकिंग्स को छह विकेट पर 176 रन पर रोककर सत्र की पहली जीत दर्ज की।

वानिंदु हसरंगा के चार विकेट और कार्यवाहक कप्तान रियान पराग का शिवम दुबे का एक हाथ से शानदार कैच लपकने सहित टीम के बेहतरीन क्षेत्ररक्षण ने जीत में अहम भूमिका निभाई। सनराइजर्स हैदराबाद और गुजरात टाइटंस के लिए खेल चुके विलियमसन ने 'जियोहॉटस्टार' पर कहा, 'नीतीश स्पिन के खिलाफ एक बेहतरीन खिलाड़ी हैं लेकिन उन्होंने अपनी पारी की शुरुआत तेज गेंदबाजी के खिलाफ की, गति का अच्छा इस्तेमाल किया।' उन्होंने कहा, 'शायद बाएं हाथ, दाएं हाथ के संयोजन के कारण वह तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने आए। यह शीर्ष स्तर की एक बेहतरीन पारी थी। विलियमसन ने कहा, 'राजस्थान रॉयल्स के पास कई अन्य प्रतिभाशाली बल्लेबाज हैं, लेकिन आज नीतीश मैच विजेता थे। इस तरह के मैच में जहां ऐसी विकेट पर गलती की गुंजाइश काफी कम थी वहां मेरा मानना ??है कि राजस्थान रॉयल्स के क्षेत्ररक्षण ने उन्हें जीत दिलाई।' सुपरकिंग्स को जब 12 गेंद पर 39 रन चाहिए थे तब महेंद्र सिंह धोनी (16) ने शॉर्ट थर्ड मैन पर एक चौका और तुषार देशपांडे की गेंद पर लॉन्ग ऑन पर लंबा छक्का लगाया लेकिन टीम को जीत नहीं दिला सके। धोनी की जबरदस्त फैन फॉलोविंग पर बात करते हुए विलियमसन ने कहा, 'सुपरकिंग्स विरोधी के मैदान पर खेल रहे थे, फिर भी अधिकतर दर्शक पीले रंग की पोशाक में थे, यह अविश्वसनीय था। हमने इसे पहले भी कई बार देखा है।'

अरण्डी खरीफ की एक प्रमुख तिलहनी फसल है। इसकी खेती देष के शुष्क भागों में की जाती है। अरण्डी के बीज में 45 से 55 प्रतिषत तेल तथा 12-16 प्रतिषत प्रोटीन होता है। इसके तेल में प्रचुर मात्रा में रिसनोलिक नामक वसा अम्ल पाया जाता हैं जिसके कारण इसका औद्योगिक महत्व अधिक हैं इसके तेल का उपयोग दवाओं मे कार्बन पेपर, प्रिंरटिक इंक मोम, वार्निष, मरहम, कृत्रिम रेजिन नाइलोन रेषे के निर्माण में व सौनदर्य प्रसाधन सामग्री जैसे क्रीम, केष तेल, साबुन आदि में प्रयोग किया जाता हैं। पशु चिकित्सा में इसका उपयोग जानवरों की कब्ज दूर करने तथा अन्य रोगों में किया जाता है।

अरण्डी उत्पादनः प्रमुख रोग, कीट एवं रोकथाम

पिंकी शर्मा, डॉ. पोखर रावल, राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय उदयपुर

उन्नत किस्में

अरण्डी की मुख्य उन्नत किस्में अरूणा, वरूणा, जीसीएच-4, जीसीएच-5, जीसीएच-7 एवं आरसीएचसी-1 हैं।

बीजदर एवं बीजोपचार

एक हैक्टर में बुआई करने के लिए लगभग 18-20 किलोग्राम बीज की आवष्यकता होती है। बीज को बोने से पहले उपचारित अवश्य कर लेना चाहिए। बुवाई से पूर्व बीजों को 2 ग्राम कार्बेण्डेजिम एवं 4 ग्राम ट्राईकोडरमा विरिडी प्रति किलोग्राम बीज के हिसाब से उपचारित कर बोना चाहियें।

प्रमुख रोग, कीट एवं रोकथाम

उकठा या म्लानि (विल्ट)

यह रोग ''फ्यूजेरियम ऑक्सीस्पोरम'' नामक फफूंद से होता है। इस रोग का प्रकोप पौधे की छोटी अवस्था से लेकर पकने तक कभी भी देखा जा सकता है। इस रोग के कारण पौधे छोटी अवस्था में मुरझाने लगते है। रोग ग्रसित पौधे की पत्तियाँ नीचे से उपर की ओर पीली पड़ने लगती है तथा जिससे रोगी पौधों की वृद्धि रूक जाती है, बाद में सम्पूर्ण पौधा सूखकर मर जाता है।

रोकथामः-

1ग्रमियों में गहरी जुताई करें तथा फसल चक्र अपनावें।

2इस रोग की रोकथाम के लिये थाइरम 3 ग्राम या सेरेसान 2 ग्राम या 1 ग्राम बाविस्टीन प्रति किलोग्राम बीज के हिसाब से बीजोपचार कर बुआई करें।

अंगमारी (ब्लाइट)

यह रोग ''अल्टरनेरिया'' नामक फफूंद से उत्पन्न होता है। यह रोग उन क्षेत्रों में अधिक होती हैं जहाँ नमी की मात्रा अधिक होती है। इस रोग के लक्षण पौधों की निचली पत्तियों पर छोटे-छोटे गहरे भूरे रंग के चक्रदार बिन्दुओं के रूप में प्रकट होते हैं जो कि तेजी से बढ़कर एक सेन्टीमीटर तक वृत्ताकार बड़ें धब्बों का रूप ले लेते है तथा कई धब्बे आपस में मिलकर पत्ती के लगभग 30 प्रतिषत भाग को नष्ट कर देते है। अन्त में पत्तियाँ सिकुड जाती है व सूखकर गिर जाती है।

रोकथामः-

1य़ह एक बीज जनित रोग है अतः इसके नियंत्रण हेतु स्वस्थ व रोग रहित बीजों का उपयोग करें तथा फसल चक्र अपनावें। इसके लिए 25 ग्राम थाइराम या केप्टान या एग्रोसेन जी एन 2 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज की दर से बीजोपचार करे।

2ऱोगरोधी किस्मों की बुआई करे

3ऱोग के लक्षण दिखाई देते ही 02 प्रतिषत (2 ग्राम) डायथेन जेड-78 का प्रतिलीटर पानी के हिसाब से घोल बनाकर छिड़काव करें तथा 15 दिन के अन्तराल पर दोहरावें।

पर्ण धब्बा रोग

इस बीमारी में पहले पत्तियों पर छोटे-छोटे धब्बे उभरते हैं फिर ये बाद में भूरे रंग के बड़े धब्बों में बदल जाते हैं।

रोकथाम

मेंन्कोजेब 2 ग्राम प्रति लीटर या कार्बेडाजिम 2 ग्राम प्रति लीटर की दर स 10-15 दिन के अंन्तराल पर 2 छिड़काव करने से बीमारी को कम किया जा सकता है।

कीट एवं रोकथाम

सेमीलूपरः- यह फसल का बहुत ही विनाशकारी कीट है। इसकी तेजी से रेंगने वाली लट जो 33-5 सेम़ी.लम्बी होती है फसल को खाकर कमजोर कर देती है। वर्षा काल (अगस्त से सितम्बर) में इस कीट का अत्यधिक प्रकोप होता है। लट सामान्य रूप से काले भूरे रंग के होती हैं। जिन पर हरी भूरी या भूरी नारँगी धारियाँ भी होती हैं। यह गिडारों की तरह सीधा न चल कर रेंगती हुई चलती है।

रोकथामः- इसकी रोकथाम के लिए क्विनालफास 1 लीटर कीटनाशी दवा को 700-800 लीटर पानी में घोल बना कर छिड़काव की जा सकती है।

तना छेदक कीटः- तना छेदक कीट की इल्ली गहरे तथा भूरे रंग की होती है यह प्रमुख रूप से अरण्डी के तनों तथा संपुट को खाकर खोखला कर देती है इसकी गिडार 2-3 सेम़ी.तक लम्बी तथा भूरे रंग की होती है।

रोकथामः- इसकी रोकथाम के लिए सर्वप्रथम रोगग्रस्त तनों एवं संपुटों को इकट्ठा करके जला देना चाहिए तथा क्विनालफास 25 ईस़ी. की 1 लीटर दवा को 700-800 लीटर पानी में घोल छिड़काव कर देना चाहिए।

रोंये वाली इल्लीः- खरीफ वाली फसलों में रोयें वाली इल्ली इस फसल को अधिक हानि पहुँचाती है। इस कीट की साल में तीन पीढ़िया होती हैं। इसके गिडार पत्तियों को खाते हैं जो बाद में गिर जाती हैं। खेत में

रोकथामः- ज्योंही इस कीट के अण्डे दिखाई दें उन्हें पत्तियें सहित चुनकर जमीन में गाड़ देना चाहिए। शेष कीड़ों की रोकथाम के लिए खेत में इमिडाक्लोरपिड 1 मिल़ी.को 3 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव कर देना चाहिए।

पपीता के प्रमुख रोग एवं उनका निदान

विवेक कुमार, नरेन्द्र कुमार एवं कमल किशोर सैनी विद्यावाचस्पति शोध अध्येता, राजस्थान कृषि अनुसन्धान संस्थान, दुर्गापुरा जयपुर श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्विद्यालय, जोबनेर राजस्थान

पपीता सबसे कम समय में फल देने वाला पेड है इसलिए कोई भी इसे लगाना पसंद करता है, पपीता न केवल सरलता से उगाया जाने वाला फल हैए बल्कि जल्दी लाभ देने वाला फल भी है, यह स्वास्थ्यवर्धक तथा लोक प्रिय है, इसी से इसे अमृत घट भी कहा जाता है, पपीता में कई प्रकार के रोग लगते हैं जो की पपीता की उत्पादकता को कम कर देता है ! पपीता की खेती में लगने वाले प्रमुख रोग एवं उनका निदान निम्न प्रकार है !

कवक जनित रोग

आर्द्र गलन डैम्पिंग ऑफ

यह पौधशाला में लगने वाला गम्भीर रोग है जिससे काफी हानि होती है। इसका कारक कवक पीथियम एफैनिडरमेटम है जिसका प्रभाव नये अंकुरित पौधों पर होता है। इस रोग में पौधे का तना प्रारम्भिक अवस्था में ही गल जाता है और पौधा मुरझाकर गिर जाता है।

नियंत्रण के उपाय

➲ पौधशाला में जल निकास का उचित प्रबंध होना चाहिए एवं इसके लिए पौधशाला की उँचाई आस-पास की सतह से उपर होनी चाहिए जिससे जल जमाव न हो।

➲ नर्सरी की मिट्टी का उपचार फार्मेल्डिहाइड के 2.5 प्रतिशत घोल से करने के बाद 48 घंटे तक पॉलिथीन सीट से ढ़क देना चाहिए।

➲ बीजोपचार कार्बेन्डाजिम अथवा मेटालैक्सिल एवं मेन्कोजेब के मिश्रण से 2 ग्रामध्किलो बीज की दर से करें।

➲ पौधशाला में लक्षण दिखते ही मेटालैक्सिल एवं मेन्कोजेब के मिश्रण का 2 ग्राम-लीटर पानी से छिड़काव करें !

तना तथा जड़ सड़न रोग कालर रॉट

इस रोग में तने के निचले भाग के छाल पर जलीय गीले चकत्ते बनते हैं जो बाद में बढ़कर तनों के चारो तरफ से घेर लेते हैं। तने का उपरी छिलका पतला होकर गलने लगता है। उपरी पत्तियाँ मुरझाकर पीली हो जाती है, और पत्तियाँ गिर जाती है। रोगी पौधे में फल नही बनते हैं और यदि बन जाते हैं तो गिर पड़ते हैं। तने के आधार सड़ जाने के कारण पूरा पौधा टूटकर गिर जाता है। इस कारण जमीन के नीचे जड़ें गलने लगती है। पौधे की पत्तियाँ पीली पड़ने लगती है और असमय ही नीचे गिरना आरम्भ कर देती है। बाद में सारी पत्तियाँ गिर जाती है और पौधा गलकर जमीन पर गिर जाता हैं।

नियंत्रण

➲ बगीचे में जल निकास का उचित प्रबंध होना चाहिए।

➲ रोगी पौधों को जड़ सहित उखाड़कर जला देना चाहिएए और रोगी पौधों के स्थान पर दूसरे नये पौधे नही लगाना चाहिए।

➲ जून, जुलाई और अगस्त के महीने में पौधों पर आधार से 50 से.मी. की ऊँचाई तक बोर्डो मिश्रण लगाने से रोग से बचा जा सकता है।

➲ यदि तने में धब्बे दिखाई देते हों तो मेटालैक्सिल एवं मेन्कोजेब का घोल बनाकर 2 ग्राम/लीटर पानी की दर से पौधे के तने के पास मिट्टी में छिड़काव करना चाहिए।

फल सड़न रोग

यह पपीते के फल का प्रमुख रोग है। इसके कई कवक कारक हैं जिसमें कोलेटोट्रोईकम ग्लियोस्पोराइड्स प्रमुख है। अध पके एवं पके फल रोगी होते है। इस रोग में फलों के उपर छोटे गोल गीले धब्बे बनते हैं। बाद में ये बढ़कर आपस में मिल जाते हैं तथा इनका रंग भूरा या काला हो जाता हैं। यह रोग फल लगने से लेकर पकने तक लगता है जिसके कारण फल पकने से पहले ही गिर जाते हैं।

नियंत्रण

➲ कॉपरआक्सीक्लोराईड 2.0 ग्राम/लीटर पानी में या मेन्कोजेब 2.5 ग्राम/लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करने से रोग में कमी आती है।

➲ बगीचे में जल निकास का उचित प्रबंध होना चाहिए।

➲ रोगी पौधों को जड़ सहित उखाड़कर जला देना चाहिए, और रोगी पौधों के स्थान पर दूसरे नये पौधे नही लगाना चाहिए।

कली एवं फल के तनो का सड़ना

यह पपीता में लगने वाली एक नई बीमारी है जो फ्यूजैरियम सोलनाई नामक कवक के द्वारा लगती है। शुरु में इस रोग के कारण फल तथा कलिका के पास का तना पीला हो जाता है जो बाद में पूरे तने पर फैल जाता है। जिसके कारण फल सिकुड़ जाते हैं तथा बाद में झड़ जाते हैं।

नियत्रण

➲ इसकी रोकथाम के लिए कॉपरआक्सीक्लोराइड 2 ग्राम प्रति लीटर पानी मे का छिड़काव करना चाहिए।

➲ रोगी पौधों को उखाड़कर जला देना चाहिए।

➲ पपीते के बगीचे के आस-पास कद्दू कुल के पौधे नही होने चाहिए।

चूर्णी फफूंद

यह रोग ओडियम यूडिकम एवं ओडियम कैरिकी नामक कवक से होता है। इससे प्रभावित पत्तियों पर सफेद चूर्ण जैसा जमाव हो जाता है जो बाद में सूख जाती हैं।

नियत्रण

➲ इस रोग की रोकथाम के लिए घुलनशील सल्फर 2 ग्राम प्रति लीटर पानी में का छिड़काव करना चाहिए।

➲ रोगी पौधों को उखाड़कर जला देना चाहिए।

➲ पपीते के बगीचे के आस-पास कद्दू कुल के पौधे नही होने चाहिए।

रिंग स्पॉट रोगाध्वलय रोग

पपाया वलय चित्ती विषाणु इस रोग का कारक है। इस रोग में पपीते की पत्तियाँ कटी फटी सी हो जाती हैं तथा हर गांठ पर कटे फटे पत्ते निकलते हैं। पत्तियों के तने तथा फलों पर छोटे गोलाकार धब्बे बन जाते हैं और पौधे की वृद्धि रूक जाती है। पत्ती का डंठल छोटा हो जाता है और पुरानी पत्तियाँ गिर पड़ती है। पत्तियाँ छोटी खुरदरी तथा फफोलेदार हो जाती है। फूल काफी कम लगते हैं, एवं फल का आकार स्वस्थ पौधों की तुलना में काफी कम हो जाता हैं। इस रोग से इस राज्य में पपीते की खेती काफी सीमित होती जा रही है। अगर पहले वर्ष के फल में रोग के लक्षण दिखते है, तो फल तोड़ने के बाद पौधों को उखाड़ देना चाहिए। बरसात के मौसम में इस किस्म में विषाणु वाइरस रोग लगता है जिससे फल का आकार प्रकार विकृत हो जाता है। इससे बचने के लिए खेत के ढ़ंग मे परिवर्तन कर देने से यह रोग नहीं लगता है। इसके लिए सितम्बर माह में बीज नर्सरी या गमलों में बोने चाहि, तथा अक्टूबर-नवम्बर तक पौधे खेत में लगा देने चाहिए। इस तरह प्रथम बरसात का समय रोग मुक्त रखने के लिए बच निकलता है। जाड़े तथा गर्मी में पौधे मजबूत एवं सहनशील हो जाते है। अतः अगले वर्ष बरसात होते ही पपीते के पौधे काफी मात्रा मे फल-फूल देना प्रारंभ कर देते है। अगली बरसात में विषाणु रोग का थोड़ा बहुत प्रकोप होने पर भी फल के गुणों पर कोई खास बुरा प्रभाव नहीं पड़ता है।

नियंत्रण

- रोगी पौधों को उखाड़कर जला देना चाहिए।
- माहू के नियंत्रण के लिए डाइमेथेएट 1 मिलीध्लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।
- पपीते के बगीचे के आसप़ास कद्दू कुल के पौधे नही होने चाहिए।
- नीम की खली एवं नीम के तेल का प्रयोग करने से भी रोग में कमी आती है।
- वर्षा ऋतु के समाप्ति के बाद पपीता का बाग लगाने पर यह रोग कम दिखाई देता है।

पर्ण कुंचन रोग

यह पपीते का एक गंभीर विषाणु रोग है। इस रोग के कारण शुरु में पौधों का विकास रुक जाता है और पत्तियाँ गुच्छा नुमा हो जाती है तथा पतियों का आकार छोटा हो जाता है। पत्तियों का उपरी सिरा अन्दर की ओर मुड़ जाता है। प्रभावित पौधों में फूल एवं फल नही लगते हैं।

नियंत्रण

- सफेद मक्खी के नियंत्रण के लिए डाइमेथेएट 1 मिलीध्लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।
- रोगी पौधों को उखाड़कर जला देना चाहिए।

लोकगीत

गौकरण मानिकपुरी

देवी दुर्गा की स्तुति में पचरा गीत

छत्तीसगढ़ अंचल में नवरात्रि के अवसर पर देवी दुर्गा की आराधना और स्तुति में नौ दिन तक गाए जाने वाले गीत को पचरा गीत कहते हैं। यह गीत प्रबंधात्मक होने के कारण लंबे होते हैं। माता देवालयों में स्थानीय निवासरत ग्रामीण या मोहल्ला के लोग सामूहिक रूप से माता के गुणों का बखान जस पचरा के माध्यम से करते हैं। इस पचरा गीत में ढोलक, तासक, झांझ, और मंजीराजैसे लोक वाद्य का उपयोग किया जाता है। मुख्य गायक गायन करता है और शेष मुख्य गायक की पंक्ति को दोहराते जाते हैं इस पूरी प्रक्रिया को नवरात तार भी कहते हैं। पचरा गीत में लाल लंगूरवा, सुरहीन गाय, राजा महाराजा और वीर राज नायकों के अलावा माता के विभिन्न रूपों और उनके यश कीर्ति का गुणगान करते हैं। इस गीत के अंतिम में हो माय... का लम्बा राग मुख्य गायक द्वारा दिया जाता है। ग्रामीण भक्त जन पूरे उत्साह के साथ जस पचरा गायन में कोई कमी नहीं करते। भक्त इस जस पचरा के गायन को सुनकर मंत्र मुग्ध हो जाते हैं -

संझा के बेरा म लाल लंगूरवा, पहुंचत हे गढ़ हिंगलाज हो माय...
तीर तीर झेंके हे नदिया छतरंग ह, मेघे में शिव पहाड़ हो माय...
तेकर तरी म गढ़ हिंगलाज हे, बइठे हे जलहरी महराज हो माय...

गांव की कहानी

कमल नारायण

भगवान श्रीराम के पद चिन्ह के प्रमाण ग्राम इंजरम में

छत्तीसगढ़ में भगवान राम का अंतिम पड़ाव का प्रमाण सुकमा जिले के इंजरम गांव में मिलता है। यह इंजरम गांव शबरी नदी के तट पर राष्ट्रीय राजमार्ग पर बसा है। ' इंजे राम वतोड़ ' इस शब्द का अर्थ स्थानीय गोंडी भाषा में ' राम यहां आए ' है। इस शब्द से ही इंजरम बना है। इंजरम गांव के आसपास प्राचीन शिव मंदिर के भग्नावशेष बिखरे पड़े हैं। यहां एक चट्टान पर भगवान राम के पद चिन्ह मिलते हैं। यह स्थल आदिवासियों की आस्था का केन्द्र है। इस गांव के अलावा आसपास कुछ किलोमीटर की दूरी पर ओडिशा के मोटू नामक ग्राम से लगे जंगल में श्रीराम, जानकी और लक्ष्मण की प्रतिमाएं मिली हैं। यहां उत्खनन के दौरान शिव पार्वती तथा कई अन्य देवी देवताओं की प्रतिमाएं भी मिली हैं। छत्तीसगढ़ के अंतिम छोर के इस गांव से कोंटा होते हुए भगवान श्रीराम वर्तमान तेलंगाना के भद्राचलम पहुंचे थे। भद्राचलम में गोदावरी नदी के तट पर भगवान श्रीराम का प्राचीन मंदिर है। यहीं से कुछ ही दूरी पर स्थित अगस्त ऋषि आश्रम तथा पर्णकुटीर अथवा पंचवटी भी आस्था के केन्द्र हैं।

आस्था

दिनेश वर्मा

प्रकृति संरक्षण का संदेश देता चैतरई परब

बस्तर के आदिवासी समाज की संस्कृति व पर्व प्रकृति के संरक्षण पर अवलंबित होता है। वे प्रकृति के उपकारों को स्वीकार कर उनके प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करते हैं। इस अभिव्यक्ति को स्वीकार करने का श्रेय आदिवासी समाज के धर्म गुरु मुठवा पोय पाहंदीपारी कुपार लिंगो को जाता है जिन्होंने इस संस्कृति का आरंभ किया । बस्तर अंचल में चैत्ररई परब चैत्र शुक्ल तेरस को मनाया जाता है । इस परब को आमाजोगनी या मरकापंडुम भी कहा जाता है । मरकापंडुम परब मनाने का मुख्य उद्देश्य वनोपज व मौसमी फलों के पूर्णतः परिपक्व होने के पश्चात सेवन करना होता है । मानव में एक उम्र विशेष पूर्ण होने के पश्चात उन्हें वयस्क की संज्ञा दी जाती है , इस अवधारणा को बस्तर वासी प्रकृति में भी देखतें है इसलिये वे अपरिपक्व फलों को नही तोड़तें क्योंकि फलों के आरंभिक अवस्था मे अम्ल अधिक होता है जो स्वास्थ्य को अधिक नुकसान पहुंचाता है। अपरिपक्व फल तो तोड़ने से जो रस टपकता हूं वह त्वचा जला देता है। इस रस में मैगी फेरिक एसिड, मेंगी फेरेंन एसिड, रेजनाल व घातक अम्ल युरोसियाल होता है। इसके अलावा कच्चे आम के फलों को तोड़ने से अनाकार्टिक ऐसिड का रिसाव होता है जो हानिकारक है। मान्यता के अनुसार रामनवमीं के पूर्व अवयस्क आम को तोड़ने से बीज बनने की संभावना कम होती है ऐसे फलों में अंकुरण नही होता।

नवरात्रि का परब शुक्ल पक्ष की प्रथम दिन से नौवे दिन तक मनाया जाता है। नवरात्रि में माता दुर्गा की आराधना करके आत्म शक्ति को जागृत किया जाता है। नवरात्रि का त्योहार सामुदायिक होता है। छत्तीसगढ़ की संस्कृति में माता दुर्गा की पूजा सामुदायिक रूप से की जाती है और जंवारा बोया जाता है ।

नवरात्रि में जंवारा का महत्व

पुराणों के अनुसार जंवारा की उत्पत्ति महाभारत काल से मानी जाती है। माना जाता है कि, द्रौपदी को दुर्गा मां का स्वरूप मानकर पांडवों ने संध्या प्रहर में जंवारा बोकर पूजन किए थे।तभी से जंवारा बोने की परंपरा नवरात्र के समय प्रत्येक देवी मंदिरों में किया जाता है। प्रत्येक देवी मंदिरों में नवरात्र के प्रथम दिन से बांस की टोकरी में जौ और गेहूं बोया जाता है, जिसे जंवारा कहा जाता है। नौ दिनों तक माता की आराधना कर स्तुति करते हैं। लोक मान्यता है, कि सेवागीत करने से , सेवा गाने से जंवारा तेजी से बढ़ता है। लोकमान्नस में प्रचलित है कि दो-तीन दिन में अगर जौ बहुत अच्छे से उगता है, तो देवी माता की कृपा सब पर बनी रहती है, और सब मंगलमय होता है।अगर जौ में अंकुरण सही से नहीं होता है तो वह शुभ संकेत नहीं माना जाता। दसवें दिन जब जंवारा का विसर्जन किया जाता है ,तब विसर्जन करने वाले जंवारा को, बदकर मित्रता करने की परंपरा है। ग्रामीण अंचल के लोग विसर्जित करने वाले जंवारा को एक दूसरे के कानों में लगा कर गले मिलते हैं और तब से उनमें मित्रता हो जाती है और वह अटूट रहता है साथ ही उसका नाम नहीं पुकारा जाता था । संबोधन में भी जंवारा कह करके गले मिलते हैं। वर्तमान समय में ग्रामीण अंचल में और शहरी अंचल में जंवारा बदकर मित्रता करने की परंपरा खत्म हो रही है।

परब विशेष: डा. ज्योति चंद्राकर

परम्परा: तिलकेश्वरी पठारे

मनोकामना पूरी करती हैं किल्ले वाली माता

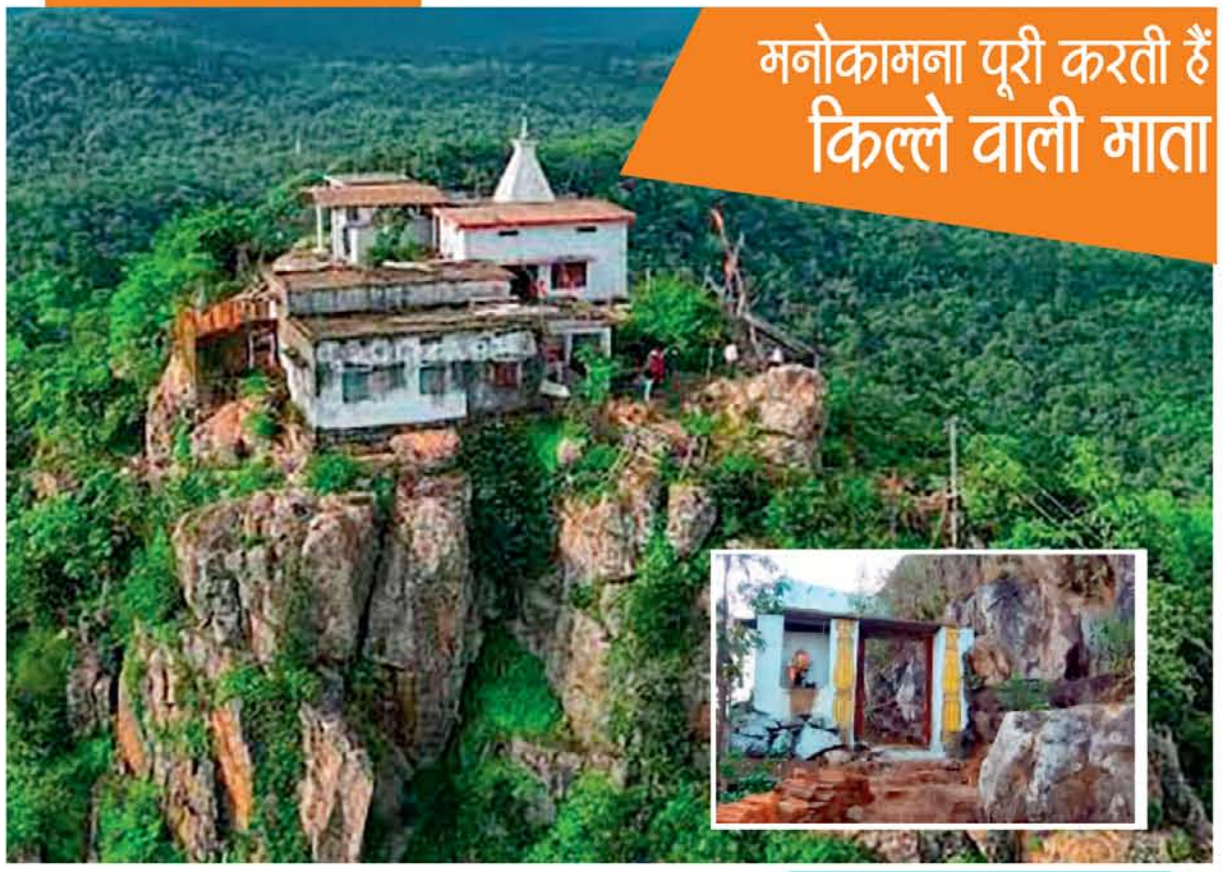

छत्तीसगढ़ की पावन धरा में सभ्यता और संस्कृति रची बसी है। यहां के कण कण में वैभव कालीन सभ्यता और संस्कृति के अवशेष मिलते हैं। छत्तीसगढ़ प्रारम्भ से ही धार्मिक आस्था का केंद्र रहा है इन्ही में से एक है बालोद जिले के लौह नागरी के नाम से प्रसिद्ध दल्लीराजहरा से 12 किलोमीटर दूर कोटगांव में स्थित किल्लेवाली माता का मंदिर, जिसकी ऊंचाई लगभग 3000 फीट है। माता के दरबार तक पहुंचने के लिए लगभग 200 सीढी चढनी पड़ती है। बीहड़ जंगल में स्थापित पहाड़ी पर माता की प्रतिमा की ऊँचाई लगभग 4 फीट है जो अष्ठभुजी स्वरूप में है। मंदिर परिसर तथा द्वार पर कई देवी देवताओं के चित्र उकेरे गए हैं। मंदिर के मुख्य द्वार में श्री गणेश की प्रतिमा स्थापित है। माता के गर्भगृह के ठीक सामने पहाड़ी के एक ओर बाबा पाठ दुर्ग डोंगरी का चौरा विराजित है जो घोड़े की प्रतिमा है यहां पर एक त्रिशूल भी है। मंदिर परिसर में माता काली की रौद्र रूप में 8 से10 फ़ीट की प्रतिमा स्थित है जो ताण्डव कर रहे भगवान शिव को शांत करते हुए दर्शाया गया है। माता के बगल में झूला माता स्थापित है मंदिर के पीछे नर्मदेश्वर महादेव का शिवलिंग स्थापित है जिसके दर्शन करने भक्त सावन सोमवार और महाशिवरात्रि में आते हैं । मंदिर की ऊंची पहाड़ी से नज़ारा बहुत सुंदर लगता है यहाँ से सुंदर पहाड़ी घने जंगल हरियाली एवं बोइरडीह बांध का नजारा देखते ही बनता है। पहाड़ी की खूबसूरती यहाँ आने वाले भक्तों का मन मोह लेती है। 2005 में किसी भक्त की मन्नत पूरी होने पर उसने कोटगांव के लोगों के सहयोग से भव्य मंदिर का निर्माण कराया है। मंदिर में हर वर्ष चैत्र और कुंवार नवरात्रि में भक्तों द्वारा मनोकामना ज्योति कलश प्रज्वलित किए जाते हैं।

लोक साहित्य

डा. व्यास नारायण दुबे

छत्तीसगढ़ी के वाचक रूपों का प्रभाव क्षेत्र व उनका अध्ययन

छत्तीसगढ़ी जनभाषा का भाषा वैज्ञानिक अध्ययन संबंधी कार्य ऐतिहासिक एवं व्युत्पत्तिपरक कार्य नहीं है, अपितु वह केवल वर्णनात्मक एवं तुलनात्मक कार्य है। इस अध्ययन के लिए सामग्री संकलन हेतु प्रश्नावली का निर्माण क्षेत्र कार्य पुस्तिका (रजिस्ट्रार जनरल ऑफ इंडिया लैंग्वेज डिविजन कलकत्ता) तथा हिंदी व्याकरण की पुस्तकों को आधार मानकर 160 वाक्यों में किया गया है। इस प्रकार के कार्य के लिए, जिसका उद्देश्य किसी भाषा वैज्ञानिक प्रतिष्ठान का हो, सामग्री का संकलन पद्धति जिस सीमा तक वैज्ञानिक होगी, उससे प्राप्त सामग्री भी उतनी ही स्पष्ट एवं विश्वसनीय होगी। अध्ययन कार्य में इस बात का ध्यान रखा गया कि छत्तीसगढ़ी जन भाषा के विविध रूपों के वाचक रूप जहां जहां व्यवहृत किए जा रहे हैं, उस समग्र क्षेत्र को अध्ययन क्षेत्र

माना जाए। साथ ही सामग्री संकलन स्थलों एवं सूचकों का चुनाव भी इस प्रकार किया गया है कि वे छत्तीसगढ़ी जनभाषा के क्षेत्रीय या वर्गगत वाचक रूपों का प्रतिनिधत्व कर सकें। अभी तक संकलित सामग्री के आधार पर छत्तीसगढ़ी जन भाषा की बोलियों की निकटता और दूरी का निर्णय किया गया है। ऐतिहासिक दृष्टि से छत्तीसगढ़ी जन भाषा के विविध वाचकों को परस्पर दूर नहीं माना गया है, जबकि वर्णनात्मक दृष्टि से उसके क्षेत्रीय एवं वर्णगत प्रभेदों के वाचकों के मध्य दूरी का निर्धारण उच्चारण, व्याकरण और शब्दार्थ के स्तर पर किया गया है।

लेखकों से..

छत्तीसगढ की लोक कला, लोक साहित्य, पर्यटन, तीज त्योहार, गांव की कहानी, ऐतिहासिक, पुरातात्विक, शैलचित्र, भित्तिचित्र, कला कृति और पुरखा के सुरता के साथ ही सम सामयिक विषयों पर अधिकतम 500 शब्दों पर लेख भेजें- Choupalharibhoomi@gmail.com

धार्मिक

प्रो अश्विनी केशरवानी

पौराणिक काल की गाथा समाहित मां अन्नपूर्णा मंदिर में

मां अन्नपूर्णा मंदिर में लगे शिलालेख के अनुसार अनंत काल से मां अन्नपूर्णा यहां विराजमान हैं। मंदिर पूर्वाभिमुख है। माना जाता है कि त्रेता युग में श्रीराम चंद्र जी जब लंका पर चढ़ाई करने जाने लगे तब उन्होंने मां अन्नपूर्णा की आराधना कर अपनी वानर सेना की भूख को शांत करने की प्रार्थना की थी, तब मां अन्नपूर्णा ने सभी की भूख को शांत ही नहीं किया बल्कि उन्हें लंका विजय का आशीर्वाद भी दिया।

शाक्त परम्परा के प्राचीन शक्तिपीठ मां अन्नपूर्णा महानदी, शिवनाथ और जोंक नदी के त्रिवेणी संगम के उत्तरी तट पर शिवरीनारायण क्षेत्र में विराजमान हैं। मां अन्नपूर्णा मंदिर में लगे शिलालेख के अनुसार अनंत काल से मां अन्नपूर्णा यहां विराजमान हैं। मंदिर पूर्वाभिमुख है। माना जाता है कि त्रेता युग में श्रीराम चंद्र जी जब लंका पर चढ़ाई करने जाने लगे तब उन्होंने मां अन्नपूर्णा की आराधना कर अपनी वानर सेना की भूख को शांत करने की प्रार्थना की थी, तब मां अन्नपूर्णा ने सभी की भूख को शांत ही नहीं किया बल्कि उन्हें लंका विजय का आशीर्वाद भी दिया। इसी तरह मान्यता है कि अष्टमी तिथि को उपवास कर षोडशोपचार से मां अन्नपूर्णा जी का पूजन करने से सर्वगुण सम्पन्न पुत्र की प्राप्ति होती है। नवमी तिथि को विधि विधान से मां की आराधना करने पर शत्रुओं पर विजय की

प्राप्ति होती है। इस देवी मंदिर की विशेषता है कि प्रज्वलित ज्योति से रंच मात्र धुआं नहीं निकलता और न ही हवा और पानी के वेग से ज्योति लोप होती है। नवरात्रि के अंतिम दिन पूर्णाहुति, महाआरती, कुंवारी पूजन भोज और ब्राह्मण भोज के साथ जनमानस की सुख समृद्धि की कामना के साथ भंडारे का आयोजन किया जाता है। देखा गया है कि भक्तों को खिलाए जाने वाले भंडारा में कभी अनाज की कमी नहीं होती, इसे मां अन्नपूर्णा की कृपा कहा जा सकता है। आदि शक्ति जगत पालिनी मां अन्नपूर्णा जी को धारण करने वाला यह नारायण क्षेत्र का देव प्रयाग तीर्थ प्राचीन काल से महिमा मंडित रहा है।माता मंदिर के उत्तर की ओर भगवान शबरी नारायण, केशव नारायण, लक्ष्मी नारायण, राम लक्ष्मण जानकी दरबार, महेश्वर नाथ, माता शीतला और संतोषी माता मंदिर है।

राइटर्स-डायरेक्टर्स के साथ काम करना ज्यादा पसंद

आमिर खान हमेशा से कहानी पर ध्यान देते आए हैं, न कि सिर्फ को-स्टार्स के साथ काम करने पर। उनका कहना है कि उनकी सोच हमेशा राइटर्स और डायरेक्टर्स के करीब रही है, क्योंकि वही एक फिल्म की असली जान होते हैं।

फिल्म सिर्फ स्टार्स के दम पर नहीं चलती, उसके विजन और क्रिएटिविटी से बनती है इंस्टेंट बॉलीवुड को दिए इंटरव्यू में आमिर ने फिल्ममेकिंग को लेकर अपनी सोच साझा की। उन्होंने कहा, बहुत सारे एक्टर्स के साथ काम करके मजा आया, लेकिन मुझे ज्यादा एक्साइटमेंट कहानी लिखने वाले और डायरेक्शन संभालने वालों के साथ काम करने में मिलती है। मेरा ध्यान हमेशा कहानी पर होता है, न कि इस बात पर कि अगला को-स्टार कौन होगा। अगर कोई एक्टर रोल के लिए फिट नहीं है, तो सिर्फ मजा लेने के लिए उसके साथ काम नहीं करूंगा। आमिर का मानना है कि एक फिल्म सिर्फ स्टार्स के दम पर नहीं चलती, बल्कि उसके विजन और क्रिएटिविटी से बनती है। उन्होंने कहा, अगर मैं गलत हूं तो मुझे भी एक कदम पीछे हटना चाहिए। मेरा मकसद सिर्फ एक अच्छी फिल्म बनाना है, जो अपने आप में एक नया नजरिया लाए।

नए टैलेंट को मौका देने का इरादा

आमिर सिर्फ एक एक्टर ही नहीं, बल्कि एक प्रोड्यूसर भी हैं, जो नए टैलेंट को प्लेटफॉर्म देना चाहते हैं। उनका कहना है, मेरा मकसद नए लोगों को मौका देना है। मैं ऐसे सब्जेक्ट्स पर काम करना चाहता हूं जो हटकर हों, जो सिर्फ एक्शन या मसाला फिल्में न हों। हर कोई एक्शन फिल्म बना सकता है, लेकिन एक अलग कहानी लाना सबके बस की बात नहीं। इसीलिए मैं और ज्यादा फिल्मों का निर्माण करना चाहता हूं, ताकि नए कलाकारों और राइटर्स को एक अच्छा प्लेटफॉर्म मिल सके।

गौरी से रिश्ते की चर्चा

आमिर खान अपनी प्रोफेशनल लाइफ के साथ-साथ पर्सनल लाइफ को लेकर भी सुर्खियों में रहते हैं। अपने 60वें जन्मदिन पर, उन्होंने मीडिया के सामने अपनी नई गर्लफ्रेंड गौरी को इंट्रोड्यूस किया। गौरी बेंगलुरु की रहने वाली हैं और पेशे से एक लेखक हैं। दोनों की मुलाकात एक कॉमन फ्रेंड के जरिए हुई थी, और तब से वे एक-दूसरे के करीब आ गए हैं। आमिर के इस नए रिश्ते ने फैंस और मीडिया के बीच काफी चर्चा बटोरी है।

मैं सफलता या असफलता को ज्यादा महत्व नहीं देती

सफलता और असफलता के बारे में बोलते हुए उन्होंने कहा, मैं सफलता या असफलता को ज्यादा महत्व नहीं देती। यह हमारे जीवन का हिस्सा है। मुझे लगता है कि हम अपनी सफलता को बहुत बढ़ा-चढ़ाकर बताते हैं और असफलता पर बहुत जोर देते हैं। जबकि आपके दैनिक जीवन का प्रभाव और इरादा महत्वपूर्ण है। एक ऐसी अभिनेत्री होने के नाते, जिसने छह भाषाओं में काम किया है, एक ऐसी अभिनेत्री जिसने बच्चों के जन्म के कारण ब्रेक लिया, मुझे याद है कि लोग मुझसे कहते थे, ओह, तुम 10 साल बाद फिल्मों में वापस आना चाहती हो, यह काम नहीं करेगा, लेकिन मेरी वापसी वाली फिल्म एक कल्ट बन गई। हमें लोगों की बात नहीं सुननी चाहिए। जेनेलिया ने मातृत्व और स्टारडम के बीच के अंतरसंबंध के बारे में भी खुलकर बात की, इस बात पर जोर देते हुए कि कैसे उन्होंने अपने एक दशक के ब्रेक के दौरान अपने बच्चों को प्राथमिकता दी। उन दस सालों के दौरान, मैं खुद पर, अपने बच्चों पर ध्यान केंद्रित कर रही थी, और मुझे याद है कि रितेश ने मुझसे कहा था कि हमें अपने बच्चों को सक्षम बनाना होगा। मैं एक मांसाहारी हूँ और मुझे आसानी से प्रोटीन लेने की आदत है, इसलिए मुझे इससे जूझना पड़ा। यहीं से इमेजिन का जन्म हुआ। यह हर उस फ्लेक्सिटेरियन के लिए है, जो हफ़्ते में पाँच दिन मांस खाता है, लेकिन हफ़्ते में दो बार अन्य विकल्प चुनता है। यहाँ तक कि जब शाकाहारी खाने की बात आती है, तो प्रोटीन सेवन की बात आती है तो हमारे पास चुनने के लिए बहुत कम विकल्प होते हैं। इसने मुझे और रितेश को एक स्थाई विकल्प बनाने के लिए प्रेरित किया। पैनल में मसाबा गुप्ता, मेघना घई पुरी, अनन्या बिड़ला, अश्विनी अय्यर तिवारी और अन्य जैसे उल्लेखनीय नाम शामिल थे, जिन्होंने महत्वाकांक्षा और कल्याण के बीच नाजुक संतुलन का पता लगाया। जेनेलिया की यात्रा द्रढ़ता, अपनी देखभाल और सामाजिक अपेक्षाओं के बावजूद अपने जुनून के प्रति सच्चे रहने का प्रमाण है।

उगादी पर चिरंजीवी ने शुरू की मेगा 157 की शूटिंग

मेगास्टार चिरंजीवी ने अपनी आगामी फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है, जिसका संभावित नाम मेगा 157 है। अभिनेता ने इस फिल्म के लिए निर्देशक अनिल रविपुडी के साथ मिलकर काम किया है। चिरंजीवी ने उगादी के अवसर पर फिल्म के सेट से कई तस्वीरें पोस्ट कीं, जो नई शुरुआत का प्रतीक है। फिल्म को अभिनेता वेंकटेश दग्गुबाती ने लॉन्च किया, जिन्होंने पहले फिल्म के क्लैपबोर्ड के साथ पोज दिया और फिर मेगास्टार के साथ गले मिले। चिरंजीवी ने मेगा 157 के पूजा समारोह से कई तस्वीरें साझा कीं। तस्वीरों को साझा करते हुए उन्होंने लिखा, उगादी के इस खुशी के अवसर पर मैं अद्भुत निर्देशक अनिल रविपुडी, निर्माता साहू गरपति, सुष्मिता कोनिडेला और मेगा 157 की पूरी टीम के साथ अपनी यात्रा शुरू करने में खुश हूं। इस कार्यक्रम की शोभा बढ़ाने के लिए मेरे प्रिय वेंकटेश दग्गुबाती और इंडस्ट्री के मेरे सभी दोस्तों का बहुत-बहुत धन्यवाद।

हालांकि बाकी कलाकारों के बारे में अभी कोई जानकारी नहीं दी गई है, लेकिन अदिति राव हैदरी या परिणीति चोपड़ा के फिल्म में मुख्य भूमिका निभाने की संभावना है। इस बारे में आधिकारिक पुष्टि का इंतजार है। रिपोर्ट के अनुसार, मेगा 157 में कॉमेडी, इमोशनल और हाई-ऑक्टेन एक्शन का तड़का लगेगा।

फिल्म में चिरंजीवी का किरदार

अनिल रविपुडी द्वारा लिखित इस फिल्म में चिरंजीवी शंकर वरप्रसाद की भूमिका में हैं। तकनीकी टीम में सिनेमैटोग्राफर के रूप में समीर रेड्डी, संगीत को संभालने वाले भीम्स सेसिरोलेओ और संपादक के रूप में तम्मीराजू शामिल हैं। वहीं, चिरंजीवी की अगली फिल्म विश्वंभरा है। पहले यह फिल्म जनवरी 2025 में रिलीज होने वाली थी, लेकिन अब इसकी रिलीज डेट बढ़ाकर मई 2025 कर दी गई है।

किस किसको प्यार करूं 2 से दूल्हा बन हंसाने को तैयार कपिल शर्मा

अभिनेता-कॉमेडियन कपिल शर्मा 'किस किस को प्यार करूं' के बाद अब किस किसको प्यार करूं 2 लेकर आ रहे हैं। ईद के मौके पर अभिनेता ने अपकमिंग फिल्म का फर्स्ट लुक जारी कर दिया, जिसमें कॉमेडी किंग' दूल्हे के लिबास में नजर आए। इंस्टाग्राम पर 'किस किस को प्यार करूं 2' का पोस्टर शेयर करते हुए कपिल शर्मा ने प्रशंसकों को ईद की मुबारकबाद देते हुए कैप्शन में लिखा, ईद मुबारक दोस्तों, केकेपीके2। वहीं, शेयर किए गए पोस्टर में कपिल दूल्हा के रूप में नजर आए। वह सिर पर सेहरा लगाए दिखे और उनके चेहरे पर हैरत के भाव हैं। शर्मा के साथ पोस्टर में घूंघट काढ़े दुल्हन भी है।

कपिल शर्मा और मनजोत सिंह स्टारर फिल्म के साथ कपिल शर्मा कॉमेडी की दुनिया में वापस ले जाने के लिए तैयार हैं। अनुकल्प गोस्वामी के निर्देशन में तैयार 'किस किसको प्यार करूं 2' का निर्माण रतन जैन, गणेश जैन और अब्बास-मस्तान ने वीनस वर्ल्डवाइड एंटरटेनमेंट के तहत अब्बास मस्तान फिल्म प्रोडक्शन के सहयोग से किया है। फिल्म की पहली किस्त 'किस किस को प्यार करूं' साल 2015 में रिलीज हुई थी। अब्बास मस्तान के निर्देशन में बनी कॉमेडी फिल्म में कपिल शर्मा के साथ अरबाज खान, मंजरी फडनवीस, सिमरन कौर मुंडी, एली अवराम, वरुण शर्मा, सुप्रिया पाठक, शरत सक्सेना और मनोज जोशी अहम भूमिकाओं में हैं। फिल्म एक ऐसे व्यक्ति के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसे परिस्थितिवश तीन लड़कियों से शादी करनी पड़ती है। तीनों एक ही इमारत में रहती हैं। हालांकि, उन्हें पता नहीं होता कि उनके पति एक ही हैं। फिल्म में नया मोड़ तब आता है, जब उसकी तीनों पत्नियां उसकी चौथी शादी में शामिल होती हैं और भांडा फूट जाता है। कॉमेडी किंग के नाम से मशहूर कपिल शर्मा कॉमेडी के साथ ही अभिनय जगत में भी अच्छा खासा नाम कमा चुके हैं। साल 2015 में शुरुआत के बाद वे 'फिरंगी' और 'ज्विगाटो' में भी नजर आए थे। कपिल बेहतरीन गायक भी हैं।

मैं हमेशा से हॉरर कॉमेडी करना चाहता था

अपनी आगामी फिल्म भूतनी के ट्रेलर लॉन्च पर अभिनेता सनी सिंह ने कहा कि वह हमेशा से हॉरर कॉमेडी करना चाहते थे। नी सिंह, मौनी रॉय, पलक तिवारी, संजय दत्त, निक और आसिफ खान 'द भूतनी' में नजर आएंगे। फिल्म का ट्रेलर फैंस को पसंद आ रहा है। कॉमेडी और हॉरर का मिक्सअप इस फिल्म में देखने को मिलेगा। ल्म के बारे में अपनी उत्सुकता साझा करते हुए सनी ने कहा, मैं हमेशा से हॉरर कॉमेडी करना चाहता था। जब मैंने स्क्रिप्ट पढ़ी और सिद्धांत सचदेव से मिला, तो मुझे पूरा कॉन्सेप्ट पसंद आया। संजू सर के साथ, मुझे पता था कि यह एक अविस्मरणीय अनुभव होगा। द्धांत सचदेव द्वारा निर्देशित और दीपक मुकुट और संजय दत्त द्वारा बनाई गई यह हॉरर-कॉमेडी एक भरपूर मनोरंजन करने का वादा करती है। नी ने कहा कि लोगों को फिल्म का पोस्टर बहुत पसंद आया है और मुझे भी। हर हॉरर कॉमेडी अनोखी होती है, लेकिन यह कॉन्सेप्ट पहले देखी गई किसी भी चीज से अलग है। इसे खूबसूरती से शूट किया गया है, और मेरे दोस्त पहले से ही उत्साहित हैं। दर्शकों ने पहले भी मेरी फिल्मों में मुझे पसंद किया है, और मुझे लगता है कि इस बार भी वे मुझे उतना ही प्यार देंगे। यह फिल्म 18 अप्रैल को रिलीज होगी।

सनी ने 2007 में धारावाहिक कसौटी जिंदगी की टेलीविजन पर अपनी शुरुआत की, जिसमें उन्होंने कृतिका सेंगर द्वारा निभाए गए किरदार के प्रेमी की भूमिका निभाई। इसके बाद, उन्होंने 2009 के धारावाहिक शकुंतला में करण की भूमिका निभाई। ह ने अपने फिल्मी करियर की शुरुआत 2010 में पाठशाला से की थी, जिसमें उन्होंने शाहिद कपूर के साथ काम किया था। 2011 में उन्होंने मधुर भंडारकर की कॉमेडी फिल्म दिल तो बच्चा है जी में काम किया, जिसमें उन्होंने एक छोटी सी भूमिका निभाई थी। उनकी पहली प्रमुख भूमिका रोमांटिक ड्रामा आकाश वाणी में थी। न्होंने प्यार का पंचनामा 2 में कार्तिक आर्यन के साथ काम किया।

महिलाओं को अपने अधिकार पता होने चाहिए, हम मर्दों से कमतर नहीं

जम्मू की रहने वाली सादिया खतीब ने कभी सोचा नहीं था कि वह हीरोइन बनेंगी, मगर उनकी किस्मत उन्हें ग्लैमर जगत में ले आई। शिकारा से अपने करियर की शुरुआत करने वाली सादिया रक्षा बंधन में अक्षय कुमार की बहन बनीं और अब जॉन अब्राहम की द डिप्लोमैट में उज़्मा अहमद का वास्तविक किरदार निभा रही हैं। उनसे एक खास बातचीत।

फिल्मों में आप लगातार महिलाओं की आवाज बन रही हैं, हाल ही में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस भी था, आपके लिए फेमिनिज्म क्या है?

मुझे लगता है मेरे लिए फेमिनिज़्म यही है कि हम महिआलों को अपने अधिकार पता होने चाहिए। औरतों को अपने कानूनी अधिकारों की जानकारी होनी चाहिए, अपने मजहबी हक का पता होना चाहिए। आपको अगर अपने इन तमाम राइट्स की जानकारी हो, तभी आप कुछ बात कर सकते हैं। मैं मानती हूं कि मैं मर्द नहीं हूं। मैं 200 किलो नहीं उठा सकती, मगर यदि मैं डेस्क पर काम कर रही हूं, तो मुझे भी मेल एम्प्लॉइज की तरह बराबरी का पैसा मिलना चाहिए। मेरे लिए महिलावाद के मायने हैं, समान अवसर और समान पैसे। साथ ही मैं ईक्वल रिस्पेक्ट भी चाहूंगी। कोई भी धर्म या संविधान हमें सेकंड क्लास सिटीजन की श्रेणी में नहीं रख सकता। हम ईक्वल हैं। हम भले मर्दों से अलग हैं, मगर हम उनसे कमतर नहीं हैं।

एक लड़की होने के नाते क्या आपने कभी हीनता महसूस की है?

मुझे लड़की होने के नाते भी ह्युमिलिएट होता है, जब हमें कमतर साबित करवाया जाता है। जब कभी काम की जगह पर आपको आपके जेंडर के कारण कमतर महसूस करवाया जाता है, तो बहुत हीन महसूस होता है। अगर हमें काम पर रखा गया है, तो इसका मतलब ये नहीं है कि हमें खरीद लिया गया है। हम उस काम को करने के लिए बाध्य हैं, जिसके पैसे हमें दिए जा रहे हैं। हम दूसरी किसी चीज के लिए बाध्य नहीं हैं। जब लोगों को लगता है कि उन्होंने आपको मौका दिया है और वे आपसे कुछ भी करवा सकते हैं, तो ये मुझे बहुत बुरा लगता है। इससे औरत की इंटीग्रिटी को आघात पहुंचता है।

आपके करियर की शुरुआत जाने-माने फिल्मकार विधु विनोद चोपड़ा की शिकारा से हुई, आपने उनसे क्या सीखा?

मुझे लगता है सिनेमा की एक संपूर्ण समझ विधु विनोद चोपड़ा जी से ही मिली। किरदार में नैचुरल रहना उन्होंने ही सिखाया। उनसे मैंने जाना कि एक किरदार की रिदम को कैसे बनाए रखते हैं। मैं उन्हें अपना पहला गुरु मानती हूं। वो हमेशा कहते थे कि एक्टर को अपने इंट्यूशन पर यकीन रखना चाहिए ,उसे हमेशा अपने फ्लो के साथ बहना चाहिए। फिल्म का जो भी रिजल्ट रहा हो, मगर आज भी मुझे मौका मिले, तो मैं शिकारा के सेट पर दोबारा जाना चाहूंगी।

आप कश्मीर से हैं, तो कश्मीर की इस कहानी से कितना जुड़ पाईं?

सच कहूं, तो मेरे अपीयरेंस के अलावा उस किरदार में मेरा अपना कुछ भी नहीं था। शिकारा की कहानी नब्बे के दशक की थी और तब मैं पैदा भी नहीं हुई थी। जब तक मैं पैदा हुई तब तक फिल्म में दर्शाया हुआ माहौल खत्म हो गया था।

मैं जम्मू से हूं और जहां मैं पली-बढ़ी हूं, वहां हमारी पढ़ाई को-एड में हुई है। जहां पर कश्मीरी पंडित, कश्मीरी मुस्लिम सारे धर्म के लोग साथ मिलकर रहते हैं। मैंने अपनी जिंदगी में ऐसा कुछ अनुभव नहीं किया, जैसा फिल्म में दिखाया गया है। मैंने भी सिर्फ कहानियां सुनी हैं, मैं तो आज के दौर की जेनज़ी लड़की थी, जो सेट पर इधर -हर मस्ती किया करती थी।

आपने जब अक्षय कुमार के साथ रक्षा बंधन में उनकी बहन का रोल करना स्वीकार किया तो क्या तब आपको बहन की भूमिका में टाइपकास्ट हो जाने का डर नहीं था?

-बिलकुल, जब मैंने फिल्म फिल्म साइन की, तो हर किसी ने यही कहा कि मैं बहन क्यों बन रही हूं, कहीं मुझ पर बहन का ठप्पा न लग जाए, मगर ये समस्या तब होती, जब मैं किसी लव स्टोरी में बहन की भूमिका कर रही होती। रक्षा बंधन की कहानी कोई प्रेम कहानी नहीं थी, यह तो भाई-बहन की कहानी थी, जिसमें मेरा सेंट्रल कैरेक्टर था और यह बात मुझे अक्षय सर ने ही समझाई थी। सच कहूं, मुझे ये टाइपकास्ट वाली बात जंचती नहीं। हो सकता है एकाध साल तक लोग आपको उस रूप में देखें, मगर फिर आपका काम सामने आ ही जाएगा।

डीजीपी ने नोएडा के 26 थानों में किया वीडियोवॉल का लोकार्पण

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा में बेहतर पुलिसिंग के लिए 26 स्थानों पर वीडियो वॉल, 10 पिंक बूथ और 2 थानों पर ग्रीन एनर्जी प्रोजेक्ट, 8 पुलिस चौकियों व पुलिस लाइन में बने भवनों का लोकार्पण उत्तर प्रदेश के पुलिस महानिदेशक प्रशांत कुमार ने किया। कार्यक्रम नोएडा पुलिस कमिश्नरेट सेक्टर-108 में किया गया। इस अवसर पर पुलिस महानिदेशक प्रशांत कुमार ने कहा कि इंफ्रास्ट्रक्चर में बढ़ोतरी ही उप्र में बदलते पुलिसिंग की एक झलक है। प्रदेश में अब कोई बड़ा दस्यु व माफिया बचा नहीं है।

कार्यक्रम में मौजूद पुलिस कर्मियों को संबोधित करते हुए डीजीपी ने कहा कि उप्र पुलिस बल विश्व की सबसे बड़ी सिविल पुलिस संस्था है। जिसका नियतन करीब सवा चार लाख है। 2017 इसकी संख्या करीब 4 लाख थी। ढाई लाख वैकेंसी थी। पिछले आठ सालों में पारदर्शी तरीके से भर्तियां की गई। अब सिर्फ 50 हजार भर्तियां ही बची है। जिसकी घोषणा भी कर दी गई है। हमारी पुलिस फोर्स का ऐज प्रोफाइल करीब 30 साल का हो गया।

डॉयल-112 का रिस्पांस टाइम 2017 में 30 मिनट था। अब घटकर आठ मिनट रह गया है। हॉटस्पॉट बनाए। उन्ही स्पॉट के आधार पर ही नोएडा में पिंक बूथ बनाए गए है। जिसका सीएसआर के तहत उद्घाटन किए गए। पिछले 16 महीनों में 89000 लोगों को सजा दिलाई जिसमें 65 को मृत्यु दंड दिया गया। महिलाओं से संबंधित अपराधों के मामले में सबसे ज्यादा सजा उप्र पुलिस ने लोगों को दिलाई। उन्होंने कहा कि कोविड और कुभं के दौरान जो पुलिस ने सेवाएं दी। डियूटी बिफोर सेल्फ यानी अपनी परवाह न करते हुए सेवाएं देना। ऐसी सेवाएं दी जिनकी कोई ट्रेनिंग नहीं दी गई। महाकुंभ हुआ इसमें केवल कुछ जगहों पर स्पेशल पुलिस के पास ही वेपन थे। बाकी पुलिस रस्सी, सीटी और लाउड हेलर की बदौलत 45 दिन के अंदर 66 करोड़ लोगों को स्नान करवाया।

कार्यक्रम में सांसद डा. महेश शर्मा, दादरी के विधायक तेजपाल नागर, जेवर के विधायक धीरेन्द्र सिंह द्वारा अपने उद्बोधन में पुलिस में हो रहे नवाचार और सुरक्षा के क्षेत्र में उठाए जा रहे प्रभावी कदमों की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि पुलिस कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर में आधुनिक तकनीक और स्मार्ट पुलिसिंग से अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया जा रहा है।

पुलिस आयुक्त गौतमबुद्धनगर श्रीमती लक्ष्मी सिंह द्वारा कार्यक्रम का प्रस्तुतीकरण किया गया जिसमें पुलिस महानिदेशक द्वारा कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर में महिलाओं की सुरक्षा के लिए समर्पित लोक सहयोग से नवनिर्मित 11 पिंक बूथों (1-सेक्टर-104 मार्किट, 2-सेक्टर-52 मेट्रो स्टेशन के पास 3-सेक्टर-59 मैट्रो स्टेशन के पास, 4-इलेक्ट्रॉनिक मैट्रो स्टेशन के पास 5-गौर सिटी मॉल 6-घंटा गोल चक्कर, 7-एनपीएक्स 8-मीहिर भोज कॉलेज के सामने 9-गलगोटिया कॉलेज के पास 10-देवला 11-आर0आर0 साइट) का लोकार्पण किया गया।

कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर में अपराधों पर त्वरित नियंत्रण व संदिग्ध गतिविधियों पर निगरानी व समन्वित पुलिस कार्रवाई, डेटा व सूचना का तत्काल प्रसार व स्मार्ट पुलिसिंग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से यामाहा ग्रुप के सहयोग से 26 थानों में वीडियों वॉल व्यवस्था का लोकार्पण किया गया।

कार्यक्रम के दौरान पुलिस महानिदेशक द्वारा पुलिस कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर में सराहनीय कार्य करने वाले पुलिसकर्मियों की सराहना करते हुए उन्हे पुरस्कार/प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम के पश्चात में पुलिस कमिश्नर गौतमबुद्धनगर श्रीमती लक्ष्मी सिंह द्वारा महानिदेशक उत्तर प्रदेश प्रशान्त कुमार, सांसद डा. महेश शर्मा, तेजपाल नागर, धीरेन्द्र सिंह, रवि कुमार एन0जी0 (सीईओ ग्रेटर नोएडा), लोकेश एम0जी0(सीईओ नोएडा), मनीष कुमार वर्मा (जिलाधिकारी गौतमबुद्धनगर), यामाहा मोटर ग्रुप के कॉर्पोरेट निदेशक को स्मृति चिन्ह भेंट किया गया।

इस कार्यक्रम के दौरान अपर पुलिस आयुक्त कानून एवं व्यवस्था शिवहरि मीना, अपर पुलिस आयुक्त मुख्यालय अजय कुमार, डीसीपी यमुना प्रसाद, डीसीपी महिला सुरक्षा श्रीमती सुनिति, डीसीपी मुख्यालय रवि शंकर निम, प्रभारी डीसीपी सेन्ट्रल नोएडा शक्ति मोहन अवस्थी, प्रभारी डीसीपी साइबर श्रीमती प्रीति यादव व एडीसीपी/सहायक पुलिस आयुक्त एवं अन्य पुलिस अधिकारीगण उपस्थित रहे।

अवैध निर्माण मिलने पर जेई की सेवाएं समाप्त

लेखपाल को निलंबित करने के लिए डीएम को लिखा पत्र

नोएडा (चेतना मंच)। अवैध निर्माण पाये जाने पर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ डॉ. लोकेश एम ने एक अवर अभियंता की सेवाएं समाप्त करने के निर्देश दिए गए, वहीं लेखपाल को निलंबित करने के लिए डीएम को पत्र भेजा गया है।

दरअसल आज नोएडा प्राधिकरण के सीईओ लोकेश एम द्वारा पूर्व में दिए गए निर्देशों के क्रम प्राधिकरण के विशेष कार्याधिकारियों की टीम द्वारा ग्राम सलारपुर खादर हनुमान मूर्ति, बरौला, बसई बहाउद्दीनगर क्षेत्र का औचक स्थलीय निरीक्षण किया गया। ओएसडी टीम द्वारा स्थलीय निरीक्षण में पाया गया कि नौएडा अधिसूचित क्षेत्र के ग्राम-सलारपुर खादर में नोएडा प्राधिकरण की अनुमति प्राप्त किए बिना बड़े पैमाने पर अवैध निर्माण कार्य कुछ लोगों द्वारा किया जा रहा है। मामले के संज्ञान में होते हुए भी उक्त अवैध निर्माणों के विरूद्ध प्रभावी कार्यवाही न किये जाने के संबंध में सीईओ के निर्देश पर क्षेत्रीय अवर अभियन्ता लोकेश शर्मा की प्राधिकरण से सेवाएं समाप्त किये जाने के आदेश निर्गत किये गए। इसके साथ ही लेखपाल विनय सिंह के विरूद्ध निलम्बन की कार्यवाही के लिए संबंधित जनपद के जिलाधिकारी को पत्र प्रेषित किया गया है। साथ ही साथ उक्त क्षेत्र पर तैनात वरिष्ठ प्रबन्धक, वर्क सर्किल 3 व 8 को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।

इसके अलावा क्षेत्र भ्रमण के दौरान अधिकारियों की टीम ने पाया कि अवैध निर्माणकर्ताओं द्वारा माननीय सिविल न्यायालय के आदेशों की गलत व्याख्या कर अवैध निर्माण किया जा रहा है। इस संबंध में प्राधिकरण के अधिकारियों ने पुलिस को भी वस्तुस्थिति से अवगत कराया है। वहीं दूसरी तरफ चर्चा है शीघ्र ही अवैध निर्माण को बुलडोजर चलाकर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की जाएगी।

शाम्भवी महामुद्रा ट्रस्ट ने किया दुर्गा सप्तसती का पाठ

नोएडा (चेतना मंच)। सनातन धर्म मंदिर सेक्टर-19 नोएडा में शाम्भवी महामुद्रा ट्रस्ट ने सनातन धर्म मंदिर समिति, उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल एवं केला मेला गिगी देवी चेरीटेवल ट्रस्ट के सहयोग से सर्वजन सुखाय सर्वजन हिताय की कामना करते हुए 19वां विशाल माँ दुर्गा सप्तशती का पाठ शांभवी महामुद्रा में पढ़ने वाले बच्चों के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं 521दीपों की महाआरती का भव्य आयोजन किया माँ दुर्गा सप्तशती का पाठ संस्था की महासचिव एवं कथा वाचिका श्रीमती कनक लता (कनक) के द्वारा किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत फेलिक्स हॉस्पिटल के चेयरमैन डॉ डी के गुप्ता, डायरेक्टर डॉ रश्मि गुप्ता, पूर्व विधायक श्रीमती बिमला बाथम वैश्य,विशाल पोरवाल, गुंजन पोरवाल, रेखा पोरवाल, संरक्षक राधा कृष्ण गर्ग, अध्यक्ष सुधीर चंद पोरवाल, कनक लता पोरवाल, डी के मित्तल, छाया गुप्ता,अमित अग्रवाल, शैलेंद्र पोरवाल, राजेश पोरवाल,नवीन पोरवाल, मनोज पोरवाल, अनिल गोयल, अतुल गुप्ता, अनुज गर्ग आदि के द्वारा मां भगवती की पूजा अर्चना एवं ज्योति प्रज्वलन कर किया गया।

इस अवसर अति विशिष्ट अतिथि शोहरतगढ़ के विधायक विनय वर्मा, राज्य मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार कृषि अनुसंधान परिषद के अध्यक्ष कै. विकास गुप्ता, सांसद प्रतिनिधि संजय वाली, भाजपा जिला अध्यक्ष महेश चौहान, शारदा चतुर्वेदी, डिम्पल, जिला कार्यकारिणी के साथ, सपा जिला अध्यक्ष डॉ आश्रय गुप्ता महासचिव विकास यादव जिला कार्यकारिणी के साथ, राष्ट्रीय संत महामंडलेश्वर हितेश्वरनाथ, डॉक्टर वीके गुप्ता चेयरमेन सुमित्रा हॉस्पिटल,राजीव त्यागी,सत्यनारायण गोयल, संजय गोयल, जेएम गुप्ता, रमाकांत गर्ग,धर्मवीर बंसल, रोहतास गोयल, राज कुमार अग्रवाल, श्रीकांत पोरवाल, किशन चंद पोरवाल कल्लू मामा, ओम प्रकाश पोरवाल गुड्डू, राजीव पोरवाल, मयंक पोरवाल, मनोज गुप्ता, पोरवाल, मनोज गोयल भंगेल , मनोज गोयल साइकिल वाले, तुषार गोयल, हरीश वर्मा,राधे श्याम गोयल, सतपाल वंशल, हर्षल पोरवाल, संदीप जैन,मनीष जैन, देवेंद्र पोरवाल,धर्मवीर चौधरी, विक्रम सेठी, शैलेंद्र वर्णवाल ,मयंक पोरवाल शिवम ,अमित पोरवाल वृंदावन, सुमित त्यागी,अमिष राजवंशी, सुरेन्द्र गर्ग,नितिन पोरवाल, गौरव पोरवाल, यस गुप्ता, निकेत मिश्रा,सक्षम पोरवाल, विद्या गर्ग, अनु गर्ग, कीर्ति गर्ग,पायल गर्ग, इंदु अग्रवाल, शारदा सिंघल,इंदू यादव, आशा, कुसुम पोरवाल सेक्टर 22,सुशीला शर्मा, विनय गुप्ता, सुमित्रा, छाया, कुसुम चौधरी, गीता पोरवाल, गुंजन पोरवाल, बेबी पोरवाल, रेखा पोरवाल,नीलू पोरवाल, सरोज पोरवाल,मोहिनी पोरवाल, माधुरी पोरवाल, पुष्पा मिश्रा, नेहा पोरवाल, विनीता पोरवाल, तृप्ता पोरवाल ,निशा पोरवाल, स्वेता पोरवाल,सुजाता पोरवाल, रूबी गुप्ता, पारुल पाठक, सरोजनी पोरवाल,सरोज पोरवाल, रेखा पोरवाल, शिखा पोरवाल, ज्योति पोरवाल, रानी पोरवाल, सुमन पोरवाल हेमा पोरवाल शिवानी पोरवाल, नीलम पोरवाल, अर्चना पोरवाल, श्रृष्टि पोरवाल,कल्पना सिंह,नीतू यादव,अंजू गुप्ता आदि अनेक श्रद्धालुओं ने पाठ एवं महाआरती में शामिल हो कर माँ का आशीर्वाद लिया।

कूड़ा उठाने के लिए अवैध चार्ज, सेक्टरवासी नाराज

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा के बीटा-1 सेक्टर में मकान से गार्बेज उठाने के लिए अवैध वसूली और जल पर की गई 10 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी से सेक्टरवासियों में नाराजगी है। सेक्टरवासियों ने ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी से अवैध वसूली रोकने तथा जल पर की गई बढ़ोत्तरी को वापस लेने की मांग की है।

सेक्टर बीटा-1 के निवासी हरेन्द्र भाटी ने बताया कि सेक्टर में तथा अन्य सैक्टरों में भी घरों से कूड़ा लेने वाली कंपनी ब्लू प्लेनेट के कर्मचारी प्रत्येक मकान से 100 प्रति माह की धनराशि की मांग कर रहे हैं तथा ना देने पर कूड़ा उठाने के लिए मना कर रहे हैं तथा कह रहे हैं कि कंपनी को सेक्टर के निवासियों से वसूली के लिए प्राधिकरण द्वारा परमिशन दी गई है।

साथ ही जल पर 10 प्रतिशत वार्षिक की वृद्धि कर दी गई है तथा समय से जल कर जमा ना करने पर कर की धनराशि पर ब्याज भी वसूला जा रहा है जो की जनता के प्रति घोर अन्याय है। उन्होंने बताया कि प्लॉट एवं मकान की रजिस्ट्री के समय लीज रेंट में ट्रांसफर चार्ज वसूल किया जाता है इस धनराशि से जन सुविधा प्रदान की जाती हैं इसलिए अलग से साफ सफाई व जल पर चार्ज वसूला जाना सही नहीं है। सेक्टरवासियों ने एकत्रित होकर गार्बेज वसूली एवं जल पर बढ़ते 10 प्रतिशत भुगतान का विरोध किया और इसे वापस लेने की मांग की।

इस दौरान देवी शरण शर्मा, हरेन्द्र भाटी, शीतला भीम सिंह भाटी, प्रसाद, अनिल चौधरी, विनोद सोलंकी, देसराज बैसौया, सुरेन्द्र बंसल, दीपक भाटी, राहुल नम्बरदार, पी पी रंजन, योगेश ठाकुर संदीप भाटी, पीयूष गर्ग, सुनील शर्मा, विवेक तालान, आर पी कटियार, अमिचंद, वेद प्रकाश, श्याम सुंदर, आदि लोग मौजूद रहे।

नमो भारत ट्रेन में सुरक्षा की जांच के लिए मॉक ड्रिल

गाजियाबाद (ब्यूरो)। एनसीआरटीसी में यात्री सुरक्षा को

सुनिश्चित करने के लिए नमो भारत ट्रेन और स्टेशनों में यात्रियों की सुरक्षा के लिए व्यापक इंतज़ाम किए गए हैं। हाल ही में न्यू अशोक नगर और आनंद विहार भूमिगत स्टेशन के बीच यात्री सुरक्षा मॉकड्रिल आयोजित की गईं। इन मॉक ड्रिल्स में नमो भारत ट्रेन की ऑपरेशन टीम, क्विक रेस्पोंस टीम और दमकल विभाग की टीम तैनात रहीं।

मॉक ड्रिल में वास्तविक जीवन की आपातकालीन स्थितियों को सिम्युलेट किया गया। किसी भी वजह से आग लगने की आपातस्थिति में यात्रियों को सुरक्षित ट्रेन से बाहर किस प्रकार निकाला जाएगा, इसके लिए मॉकड्रिल्स द्वारा टीम की तैयारियों

को परखा गया। न्यू अशोक नगर और आनंद विहार भूमिगत स्टेशन के बीच टनल से गुज़रने के दौरान अगर ट्रेन में आग लगने की आपातस्थिति पैदा होती है तो ऐसी स्थिति में टनल में बनी मिड-वेंटीलेशन शाफ्ट और टनल में बने क्रॉस-पैसेज की मदद से यात्रियों को तत्काल ट्रेन से सुरक्षित बाहर निकाला जाएगा। इन मॉकड्रिल्स द्वारा इस पूरी प्रक्रिया और ट्रेन संचालकों, नियंत्रण कक्ष, क्विक रेस्पोंस टीम और अग्निशमन विभाग के बीच समन्वय स्थापित कर मॉक ड्रिल की गई।

नमो भारत स्टेशनों पर भी यात्रियों की सुरक्षा के लिए व्यापक इंतजाम किए गए हैं। प्लेटफॉर्म्स पर मौजूद यात्रियों को किसी भी दुर्घटना से बचाने के लिए सभी स्टेशनों पर प्लेटफॉर्म स्क्रीन डोर्स (पीएसडी) लगाए गए हैं, ट्रेन और स्टेशनों में यात्रियों की सभी गतिविधियों पर निगरानी के लिए सीसीटीवी से मॉनिटरिंग की जाती है, स्टेशनों में किसी भी अप्रत्याशित वस्तु के प्रवेश पर रोक के लिए प्रवेश द्वार पर यूपीएसएसएफ एवं सीआईएसएफ द्वारा यात्रियों और समान की कड़ी सुरक्षा जांच और सम्पूर्ण नमो भारत कॉरिडोर पर ऑपरेशन कंट्रोल सेंटर द्वारा ट्रेनों और स्टेशनों की लाइव मॉनिटरिंग की जाती है, ताकि ट्रेनों और स्टेशनों की पल-पल की खबर रखी जा सके और आवश्यकता पड़ने पर तत्काल टीमों को एक्शन में लाया जा सके।